जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 355 प्रभात चूरू, गुरुवार 24 अप्रैल, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी को रद्द किया

भारत के विदेश मंत्रालय ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में हुए इस अहम् फैसले की जानकारी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत ने पाकिस्तान के साथ इंडस वॉटर ट्रीटी (आई.डब्ल्यू.टी.) को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है और पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियाँ खत्म होने तक यह रोक जारी रहेगी। इसी के साथ कई अन्य कदम भी उठाए गए हैं, जिनमें वाघा-अटारी चैक पोस्ट बंद करने। पाकिस्तानियों का वीसा रद्द करना आदि शामिल है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसे कथित रूप से पाकिस्तान के आतंकी गुटों ने अंजाम दिया है, के बाद से भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में फिर से यह बात उठने लगी कि भारत को इंडस वॉटर ट्रीटी को निलम्बित कर देना चाहिए। यह अपील कथित रूप से पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने की है, जो इस समय जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर हैं। उन्होंने कहा, इस तरह से पाकिस्तान को करारा जवाब दिया जा सकता है, जिसके आतंकी हमले में भारत की ही जमीन पर 28 लोग मारे गए है।

वरिष्ठ वकील एवं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और इसे एक सुनियोजित साजिश रच कर किया गया क्रूर कृत्य बताया। उन्होंने भारत सरकार से अंतर्राष्ट्रीय मंच पर यह मुद्दा उठाने और विश्वस्त उत्तरदायित्व तय करने के लिए जोर देने की बात कही।

सिब्बल ने कहा कि पाकिस्तान को औपचारिक रूप से आतंकवादी राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए और जिन्होंने ये हत्याएं की है, उन पर अंतर्राष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। आई.डब्ल्यु.टी. पर 1960 में हस्ताक्षर हुए थे और विश्व बैंक ने यह संधि करवाई थी। आई.डब्ल्यु.टी. को दो शत्रु पड़ौसी राष्ट्रों के बीच परस्पर सहयोग की नायाब मिसाल माना जाता है। सवाल यह नहीं है कि संधि को निलम्बित किया जाना चाहिए, बल्कि यह है कि क्या ऐसा करना सार्थक और रणनीतिक रूप से बुद्धिमानी भरा कदम होगा।

तीन बड़े युद्धों और कई दशकों की शत्रुता के बाद भी यह संधि कायम रही, क्योंकि दोनों देश की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी अहम भूमिका है। इसके तहत रावी, व्यास और सतलुज जैसे पूर्वी नदियों पर भारत का नियंत्रण है और सिंधु, झेलम और चनाब जैसी पश्चिमी नदियों पर पाकिस्तान का नियंत्रण है, भारत को इन नदियों के पानी के सीमित उपयोग की अनुमति है।

कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, अगर भारत ने एक तरफा निर्णय कर इस संधि को खत्म कर दिया तो नियमों का पालन करने वाले कानून परस्त देश के रूप में भारत की छवि को भारी धक्का लगेगा और क्षेत्रीय जल विवाद में गलत मिसाल बनेगी।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि व्यवहारिक दृष्टिकोण से देखें तो आई.डब्ल्यु.टी. को निलम्बित करने से भारत को कोई तत्कालिक लाभ नहीं मिलेगा। पानी रोकने या उसका प्रवाह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत के सामरिक एवं राजनैतिक हलकों में इंडस वॉटर ट्रीटी रद्द करने की मांग जोर-शोर से उठी थी।
- इस संधि के तहत पूर्वी भाग की रावी व्यास और सतलुज नदियों पर भारत का नियंत्रण है, तो सिंधु, झेलम और चिनाब पर पाकिस्तान का नियंत्रण है।
- पाकिस्तान का अस्तित्व एक तरह से इस संधि पर निर्भर है। पाकिस्तान की कृषि व्यवस्था इसी के सहारे जीवित है।
- गौरतलब है कि 1960 में विश्व बैंक ने भारत व पाकिस्तान के बीच यह संधि करवाई थी और यह दो परस्पर विरोधी पड़ौसी देशों के बीच सहयोग का दुर्लभ उदाहरण मानी जाती रही है। तीन युद्धों व दशकों से पाकिस्तान द्वारा भारत में किए जा रहे आतंकी हमलों के बावजूद यह संधि कायम रही।

जैसलमेर के 32 लोग पहलगाम में फंसे

जैसलमेर, 23 अप्रेल (नि.सं.)। जैसलमेर से कश्मीर वैली गए बड़ी संख्या में सैलानी अपने परिवार के साथ पहलगाम के होटल में फंसे हुए हैं। पहलगाम प्रशासन द्वारा सभी होटल संचालकों को फिलहाल अगले आदेशों तक किसी भी सैलानी को होटल से चेकआउट करने पर अंतरिम रोक लगाई है, इसके कारण ये सैलानी होटल में ही रुकने को मजबूर हैं।

- प्रशासन ने अगले आदेशों तक सभी होटल संचालकों को किसी भी सैलानी को ''चैक आउट'' नहीं करने देने के लिये कहा है।

जैसलमेर में व्यापार करने वाले विपुल भाटिया पुत्र विमल भाटिया के परिवार के 4 लोगों सहित, उनकी मित्र मंडली के करीब 32 लोग अपने बच्चों सहित पहलगाम के एक होटल में दहशत के साए में हैं। आतंकी हमले के दौरान भी वे पहलगाम में ही थे। अब हमले के बाद से किसी को होटल से चेकआउट नहीं मिल रहा है। अर्पण व हितेश भाटिया के परिवार भी 32 लोगों में शामिल है।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर से भारी समर्थन मिला

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ कठोर फैसले लिए प्र.मंत्री मोदी ने

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। कश्मीर की पहलगाम घाटी में पर्यटकों पर हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। लेकिन भारत के हाथ कुछ हद तक बंधे हुए हैं, क्योंकि भारत पहले ही कह चुका है कि ''यह युद्ध का युग नहीं है। यह कूटनीति और संवाद का युग है।''

तथापि, अगर भारत कोई सैन्य कार्रवाई करता है, तो आज की तारीख में वैश्विक कूटनीतिक माहौल उसके साथ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने स्पष्ट रुप से भारत का समर्थन किया, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन, रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यहां तक कि, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी भारत के पक्ष में रुख अपनाया। इज़रायल ने भी भारत के प्रति जोरदार समर्थन व्यक्त किया है। ब्रिटेन और फ्रांस ने भी भारत का समर्थन किया है और पूरी तरह से उसके साथ खड़े हुए हैं।

इस समय पाकिस्तान के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई, अब कहीं अधिक अंतर्राष्ट्रीय समर्थन वाले वातावरण में की जा सकती है।

ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता में बैठे लोग यह सोच कर आश्वस्त थे कि कश्मीर और घाटी अब धीरे-धीरे एक सामान्य स्थान बन रही है, जहाँ लोग रोजमर्रा की तरह घूम सकते हैं।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद, कश्मीर तेजी से स्थिरता की ओर लौट रहा था और आम जनजीवन ऐसा बनता जा रहा था, जिसे दुनिया के अन्य हिस्सों में ''सामान्य'' कहा जाता है।

पर्यटन, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, तेजी से बढ़ रहा था और इस वर्ष पर्यटकों के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना थी। इसका अर्थ था कि आम कश्मीरियों की समृद्धि बढ़ रही थी, आय बढ़ रही थी और अन्य आर्थिक गतिविधियां भी गति पकड़ रही थीं। इस आतंकी हमले ने, सामान्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क के तहत प्राप्त वीज़ा रियायत रद्द कर दी।
- भारत में मौजूद सभी पाक नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिया।
- अटारी वाघा चैक पोस्ट बंद। वैध तरीके से आए लोग एक मई तक लौट सकते हैं।
- पाक उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौ सेना व वायु सेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित किया। एक सप्ताह में देश छोड़ने के आदेश दिए।
- पाक उच्चायोग में अब 50 की बजाय 30 लोग ही रह सकेंगे।

'आतंकवाद के खिलाफ हम सब सरकार के साथ हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केन्द्रीय सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह करते हुए कहा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। पहलगाम आतंकी हमले को भारत की एकता और अखंडता पर सीधा हमला बताते हुये, कांग्रेस ने बुधवार को केन्द्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना को लेकर एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई जाये। कांग्रेस ने जोर देते हुये कहा कि यह सामूहिक संकल्प का समय है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक के बेंगलुरु में एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''यह समय पक्षपातपूर्ण राजनीति का नहीं है। यह क्षण उन लोगों के लिये न्याय सुनिश्चित करने के सामूहिक संकल्प का क्षण है। यह क्षण इस आतंकी हमले को अंजाम देने वाले अपराधियों को कटघरे में खड़ा करने का क्षण है ताकि इस हमले में मरने वालों तथा उनके दुखी परिवारों के प्रति न्याय हो सके।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि यह भारत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा, ''पूरा राष्ट्र स्तब्ध है। एक पाकिस्तानी आतंकी संगठन ने इसकी जिम्मेदारी ली है। हमें इसका माकूल जवाब देना होगा। हम सब एक हैं और (एकजुट होकर) संघर्ष करेंगे। बिना कुछ किये, बिना समुचित प्रबंध तथा बिना ऊँगली उठाये, कोई दावे नहीं किये जाने चाहिये।''

उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हम सरकार से यह अपेक्षा करते हैं कि पूरी जानकारी प्राप्त होने तथा आवश्यक कार्यवाही करने से पहले सभी राजनैतिक दलों से विचार-विमर्श किया जाये, ताकि सर्वसम्मत भावना के साथ आतंकवाद की चुनौती का सामना किया जा सके। सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये तथा सलाह-मशविरा करना चाहिये। यह राजनीति नहीं है तथा नहीं चाहते कि इस स्थिति में राजनीति हो।

उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2000 के चित्तीसिंहपुरा के नरसंहार के बाद, पहलगाम हमला आतंकियों की निर्लज्ज, नृशंस एवं घृणित कोशिशों में से एक है।

कांग्रेस प्रमुख ने इस हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन उद्योग को लगने वाले संभावित धक्के को लेकर भी चिन्ता व्यक्त की। उन्होंने सरकार से प्रभावित होने वाले लोगों की मदद का अनुरोध किया। खड़गे ने कहा, ''गर्मी की ऋतु शुरु

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों से पता चला है कि केन्द्र सरकार गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुला सकती है, जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका पूरा सहयोग देगा- उपराष्ट्रपति वैंस

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। भारत की यात्रा पर आये अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की भर्त्सना की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका की ओर से सभी प्रकार के सहयोग की पेशकश की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां एक्स पर आधिकारिक हैंडल पर अपने संदेश में लिखा, उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और जम्मू कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने जान-माल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि अमेरिका इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

- वैंस से यह पेशकश प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत में की।

'कश्मीर पाकिस्तान के गले की नस है', क्या आतंकी हमले का पूर्व संकेत था, पाक जनरल का यह बयान

पाक जनरल के इस बयान के कुछ ही दिन बाद, पहलगाम में भीषण आतंकी हमला हुआ है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। सूत्रों ने कहा कि पहलगाम हत्याओं के जवाब में, सरकार कूटनीतिक तथा सैन्य- दोनों ही विकल्पों पर विचार कर रही है।

इस समाचार को लिखते समय, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में ''कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्यूरिटी अफेयर्स'' की मीटिंग चल रही है, जिसमें सभी संभव विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। सऊदी अरब की अपनी यात्रा को बीच में ही छोड़कर, प्रधानमंत्री आज स्वदेश आ गये तथा आने के तुरंत बाद, विभिन्न मीटिंगों में कश्मीर के सुरक्षा-परिदृश्य पर पुनर्विचार किया। गृह मंत्री अमित शाह स्थिति के पुनर्विवेचन के लिये मंगलवार को श्रीनगर चले गये थे। जहाँ संभावित सैन्य विकल्प पर चल रहे विचार-विमर्श के बारे में अधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है, वहीं उन्होंने कहा है कि ऐसे मामलों में एनडीए सरकार के रिकॉर्ड को देखते हुए सैन्य कार्यवाही की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता। वर्ष 2016 में उरी में हुये आतंकी हमलों के बाद, सरकार ने पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी, जबकि 2019 में हुये पुलवामा आतंकी हमले के बाद, बालाकोट स्ट्राइक की गई थी।

रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान-स्थित ''रैजिस्टैंस फ्रंट'', जो प्रतिबंधित पाकिस्तानी लश्कर-ए-तौयबा का शैडो-ग्रुप है, के चार आतंकियों ने पहलगाम में पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें 26 लोग मारे गये। इनमें से दो आतंकी स्थानीय बताये जा रहे हैं।

इस आतंकी हमले से चंदरोज पहले, पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने कश्मीर को जग्युलर वन (ग्रीवा शिरा) बताया था, हालाँकि, पाकिस्तान सरकार ने इस घटना में देश के लिप्त होने से इनकार किया है। लेकिन भारत सरकार का निश्चित तौर पर मानना है कि यह हमला लश्कर-ए-तोयबा द्वारा ही कराया गया है।

नैशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी की एक टीम, स्थानीय पुलिस की सहायता के लिये, पहलगाम पहुँच गई है तथा इस हमले में शामिल तीन लोगों के स्कैच तैयार कर लिये गये हैं। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब अमेरिकन उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर आये हुए हैं।

जहाँ अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी को संबल और सहानुभूति प्रेषित की है, वहीं बहुत से पश्चिमी देशों के साथ ही, सऊदी अरब ने भारत को समर्थन एवं सहयोग देने की मंशा जाहिर की तथा पहलगाम हमले की निंदा की है। आगामी दिनों में, भारत पी 5 देशों के प्रतिनिधियों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- गले की नस (जुगलर वेन) शरीर का वह अंग है, जिसे काटने से तुरंत मौत हो जाती है, तो क्या पाक जनरल यह कहना चाहते थे कि कश्मीर पाकिस्तान के लिए बहुत जरुरी है?
- विशेषज्ञों के अनुसार, इस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस भारत यात्रा पर हैं, ऐसे में आतंकी हमले को अंजाम देकर दुनिया भर में भारत की ''मजबूत राष्ट्र'' की छवि पर आघात पहुँचाने की कोशिश की जा रही है।

पहलगाम से सैलानियों को वापस लाने के लिये विशेष ट्रेन

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। उत्तर रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सैलानियों की बड़ी संख्या में वापसी के मद्देनजर माता वैष्णो देवी कटरा से नयी दिल्ली के लिए एक विशेष आरक्षित ट्रेन चलाने की घोषणा की है। उत्तर रेलवे ने बुधवार को यहां एक विज्ञिप्त में बताया कि रेलयात्रियों की सुविधा के लिए आज एक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जा रहा है।

उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रेन सं. 04612 माता वैष्णो देवी कटरा-नयी दिल्ली विशेष आरक्षित रेलगाड़ी आज रात को नौ बज कर 20 मिनट पर रवाना होगी तथा मार्ग में उधमपुर, जम्मू, पठानकोट छावनी, जालंधर छावनी, ढंडारी कलां, अंबाला छावनी, कुरुक्षेत्र और पानीपत ठहरते हुए, गुरुवार को सुबह साढ़े नौ बजे नयी दिल्ली स्टेशन पहुंचेगी।

इस ट्रेन में सात जनरल, आठ स्लीपर और तीन वातानुकूलित श्रेणी के कोच लगाये जाएंगे।

पहलगाम हमले को लेकर सुरक्षा और गुप्तचर एजेंसियों पर सवाल उठे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अप्रेल। हालिया वर्षों के सबसे घातक हमलों में से एक में, दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में मंगलवार को एक आतंकवादी हमले में कई भारतीय और विदेशी पर्यटकों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे देश और विश्व में सदमे की लहर दौड़ गई है, और भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था व खुफिया एजेंसियों की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

शीर्ष सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, इस हमले की क्रूरता ने मोदी सरकार को पूरी तरह हिला दिया है, जिसमें परिवार के साथ छुट्टियाँ मना रहे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। सन् 2019 में केन्द्र शासित प्रदेश बनने के बाद से जम्मू-कश्मीर के प्रशासन का नियंत्रण सीधे केन्द्रीय गृह मंत्रालय के हाथ में है, इसलिए अब इंटैलिजैंस फेलियर और खतरे के पूर्व मूल्यांकन के अभाव को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्रालय को कठोर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा विशेषज्ञ और राजनीतिक विश्लेषक इस नरसंहार की तुलना 2019 के पुलवामा आतंकी हमले से कर रहे हैं, जिसमें अर्धसैनिक बलों के 40 से अधिक जवान मारे गए थे। छह साल बीतने के बावजूद, पुलवामा हमले की कोई विस्तृत जांच रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है, जिसके कारण विवाद और अविश्वास लगातार बना हुआ है। विपक्षी नेताओं ने मोदी सरकार पर एक बार फिर वही गलतियाँ दोहराने का आरोप लगाया है, भारी सुरक्षा चूक, प्रतिक्रिया में देरी और पारदर्शिता की कमी।

एक वरिष्ठ खुफिया विश्लेषक ने कहा, ''यह किसी दूसरे पुलवामा से कम नहीं है। समानताएँ बेहद भयावह हैं। पुलवामा में सैनिकों को निशाना बनाया गया था, जबकि इस बार सीधे निहत्थे नागरिकों को। इसका उद्देश्य स्पष्ट है, डर पैदा करना और क्षेत्र में शांति को अस्थिर करना।''

सूत्रों का मानना है कि यह हमला बहुत ही सुनियोजित था और संभवतः आतंकवादी महीनों से क्षेत्र में रह रहे थे। माना जा रहा है कि हमलावर ट्रैवल एजेंट या ट्रांसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रुप में रह रहे थे और पर्यटकों के बीच में आसानी से घुल-मिल गए थे। हमले का पैमाना, और उन्नत आधुनिक हथियार, जिनमें एम 4 कार्बाइन ए.के. 47 राइफलें और अन्य साजो-सामान शामिल हैं, ने रक्षा विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। इतना बड़ा हथियारों का जखीरा क्षेत्र में कैसे पहुंचा, यह अब तक का सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

पहलगाम, जो दक्षिण कश्मीर में गहराई में स्थित है, एलओसी (नियंत्रण रेखा) से दूरी के कारण अपेक्षाकृत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। आतंकवादियों को वहां तक पहुँचने के लिए डोडा, किश्तवाड़ और बनिहाल जैसे क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ा होगा, जो भारतीय सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी में हैं। इससे ये चिंताएं बढ़ जाती हैं कि आतंकवादियों को स्थानीय सहयोग प्राप्त था और उन्होंने व्यापक लॉजिस्टिक प्लानिंग कर रखी थी।

सेवानिवृत सैन्य अधिकारियों ने, सरकार द्वारा पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के हालिया बयानों को गंभीरता से नहीं लेने की, बात कही है। जनरल मुनीर ने एक सार्वजनिक भाषण में बलूचिस्तान में अशांति को कश्मीर मुद्दे से जोड़ा था, जो बढ़ते तनाव और संभावित सीमा पार उकसावे का संकेत था। अब विश्लेषकों का कहना है कि यह बयान आगामी हिंसा की चेतावनी हो सकता था।

इसके अलावा, पाकिस्तान और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषज्ञों ने पूछा, पहलगाम दक्षिण कश्मीर में काफी अंदर है और एलओसी से दूर है, वहाँ तक जाने के लिए डोडा, किश्तवाड़ व बनिहाल को पार करना पड़ता है, जहाँ कड़ी सुरक्षा है, फिर ये आतंकी वहाँ कैसे पहुँचे?
- सूत्रों का कहना है कि हमलावर, ट्रैवल एजेंट व ट्रांसपोर्ट प्रोवाइडर्स के रूप में वहाँ रह रहे थे।
- घटना के बाद, सेना के तलाशी अभियान में मिले हथियारों व अन्य साजो सामान से रक्षा विशेषज्ञ चिंतित हैं कि हथियारों का इतना बड़ा ज़खीरा यहाँ कैसे पहुँचा।

पहलगाम के तीन आतंकवादियों के स्कैच जारी

श्रीनगर, 23 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में शामिल तीन संदिग्ध आतंकियों के स्केच सुरक्षा एजेंसियों ने बुधवार को जारी किए। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं।

इंटेलिजेंस सूत्रों ने बताया कि हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद है, जो पाकिस्तान में मौजूद है। शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे।

जांचकर्ताओं का मानना है कि हमलावर सेना जैसी वर्दी में थे और उन्हें हमले से पहले इलाके की रेकी करने में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जाँच के अनुसार पहलगाम हमले में 5 आतंकवादी शामिल थे, जिनमें से 2 स्थानीय थे।

विचार बिन्दु

मन जिस रूप की कल्पना करता है वैसा हो जाता है, आज जैसा वह है वैसे उसने कल कल्पना की थी। –योगवशिष्ठ

राजस्थान : सौर ऊर्जा का हब और भीषण गर्मी में बिजली की मारक कटौती

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल एक ओर जैसलमेर जिले में सौर उर्जा के एक बड़े निजी पार्क का उद्घाटन कर रहे थे और ठीक उसी समय राज्य के बिजली मन्त्री पोकरण में बिजली कटौती की शिकायत पर एक इन्जिनियर को सस्पेंड कर रहे थे, मानो इंजीनियर महोदय बिजली के उत्पादक हों। इसे कहते हैं बिजली के घर में अंधेरा। जो राजस्थान, भारत का सौर ऊर्जा का गढ़, 2025 में अपनी चमकती सौर परियोजनाओं और 24,102 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ देश में अव्वल है, उसी राज्य में बेइन्तिहा बिजली कटौती हो रही है चन्द गिने-चुने बड़े शहरों को छोड़ दें तो अधिकांश कस्बों और ग्रामीण इलाकों की हालत खराब है जिसमें गर्मी का अभी तो बस आरम्भ हुआ है और लोग बेहाल हैं।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक राज्य ने 118,359.51 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान 43,572.46 मिलियन यूनिट रहा। यह आंकड़ा राज्य की सौर ऊर्जा नीति 2023 और एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 की सफलता का प्रतीक तो है ही, जो 2030 तक 90 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखती है। भादला सौर पार्क जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स ने निश्चय ही राजस्थान को वैश्विक सौर ऊर्जा नक्शे पर ला खड़ा किया है। लेकिन इस चमक के पीछे एक अंधेरा सच छिपा है-बिजली कटौती, नए कनेक्शनों के लिए मारामारी, डिस्कॉम का भारी घाटा, उपभोक्ताओं को महंगी बिजली की सप्लाई, किसानों के लिए रात में बिजली आपूर्ति की अमानवीय व्यवस्था, और सौर परियोजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार। सौर ऊर्जा ने राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने का सुनहरा सपना दिखाया है।

राज्य की 29,858 मेगावाट की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा का हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है। कुसुम योजना, रूफटॉप सौर प्रणालियां, और मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली की पहुंच बढ़ाई है। 2025 तक, 13 मिलियन से अधिक उपभोक्ता डिस्कॉम के नेटवर्क से जुड़े हैं, जो कुल ऊर्जा खपत का 30 प्रतिशत हिस्सा लेते हैं। भादला सौर पार्क, जो 2,245 मेगावाट बिजली पैदा करता है, और जैसलमेर व बाड़मेर जैसे क्षेत्रों में स्थापित सौर परियोजनाएं राज्य की प्रगति का प्रतीक हैं। लेकिन यह प्रगति केवल आंकड़ों तक सीमित है। ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप सौर प्रणालियों की पहुंच मात्र 5.4 प्रतिशत है, जो शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों के साथ असमानता को उजागर करता है।

राज्य में सौर ऊर्जा क्षेत्र ने रोजगार सृजन में भी योगदान दिया है लेकिन वहां भी तकनीकी कुशल श्रमिकों को समुचित अवसर नहीं। 2025 तक, इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लगभग एक लाख नौकरियां पैदा हुई हैं लेकिन अधिकांश नौकरियां अस्थाई हैं। कुसुम योजना के तहत सौर पंपों की स्थापना और रखरखाव में स्थानीय तकनीशियनों को काम मिला है, जबकि सौर पार्क के निर्माण में अकुशल श्रमिकों को रोजगार मिला है। लेकिन यहीं पर सौर पार्कं में स्थानीय अराजक तत्वों के आतंक ने हालात खराब कर रखे हैं मेरे एक परिचित ने इस पीड़ा को मुझ से शेयर करके बताया कि बाड़मेर, जैसलमेर में सौर उर्जा के पार्कं में कैसे गुन्डों ने हफ्ता वसूली का काम कर रखा है और सरकार को ये सब पता है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन स्कीम 2024 ने, स्टाम्प ड्यूटी में 75 प्रतिशत छूट और बिजली शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे लाभ देकर स्टार्टअप्स और छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन दिया है। लेकिन इन नौकरियों का बड़ा हिस्सा अस्थायी है, और कुशल श्रमिकों की कमी एक गंभीर समस्या आज भी बनीं हुई है।

सौर पैनल निर्माण और रखरखाव के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत को पूरा करने में सरकार नाकाम रही है। प्रशिक्षण केंद्रों की कमी और तकनीकी कौशल पर जोर न होने से यह क्षेत्र अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पा रहा। बिजली कटौती राजस्थान की एक पुरानी बीमारी है, जो 2025 में भी जनता को सता रही है। गर्मी के महीनों में, जब तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है, शहरी क्षेत्रों में एयर कंडीशनर और कूलर की मांग ग्रिड पर भारी दबाव डालती है। ग्रामीण क्षेत्रों में 7-8 घंटे की अनियोजित कटौती आम बात है। सौर ऊर्जा दिन में तो उपलब्ध है, लेकिन रात में बैटरी भंडारण की कमी इसे बेकार बना देती है। 2024 की नीति में 10,000 मेगावाट बैटरी भंडारण का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 2025 तक केवल 500 मेगावाट की प्रगति हुई है जो ऊंट के मुंह में जीरा भी नहीं है। यह सरकार की सुस्ती और प्राथमिकताओं के अभाव का नतीजा है।

सौर पैनल आपूर्ति व स्थापना में गुणवत्ता जांच को अनिवार्य किया जाए। 2025 में राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर है, लेकिन यह चमक केवल सतही है। राजस्थान को सही मायनों में सौर ऊर्जा का गढ़ बनाना है, तो सरकार को अपनी नाकामियों से सबक लेना होगा। पारदर्शी, जन-केंद्रित नीतियां और भ्रष्टाचार पर सख्ती ही इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं।

नए बिजली कनेक्शनों की मांग भी आसमान छू रही है। डिस्कॉम के पास 13 मिलियन से अधिक उपभोक्ता हैं, लेकिन नए कनेक्शनों के लिए महीनों की प्रतीक्षा और जटिल कागजी कार्रवाई ने जनता को हताश कर रखि है। कृषि क्षेत्र में डार्क जोन क्षेत्रों में कनेक्शन देना मुश्किल है, जिसके कारण किसान सौर पंपों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन सौर पंपों की लागत और रखरखाव छोटे किसानों के लिए भारी बोझ है। कुसुम योजना के तहत सौर पंपों की स्थापना में भ्रष्टाचार की शिकायतें आम बात है सब्सिडी का लाभ बिचौलियों और प्रभावशाली लोगों तक सीमित है। डिस्कॉम का वित्तीय घाटा 2025 में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। बिजली चोरी, पुराना ट्रांसमिशन नेटवर्क, और सब्सिडी योजनाएं इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। ऊर्जा संचार में हानि 20 प्रतिशत से अधिक है, क्योंकि स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल मीटरिंग सिस्टम की स्थापना में देरी हो रही है। इस घाटे का बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है, जो प्रति यूनिट 8-12 रुपये की दर से बिजली खरीद रहे हैं कामर्शियल उपभोक्ताओं को तो सबसे महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हैं नतीजा राजस्थान में उद्योग-धंधों में निवेशकों की रुचि कम होती जा रही है। सौर ऊर्जा से उत्पादन लागत कम होने के बावजूद, इसका लाभ जनता तक नहीं पहुंच रहा है। इसका कारण है सौर परियोजनाओं में बड़े कॉरपोरेट्स का दबदबा और भ्रष्टाचार का जाल है।

सौर ऊर्जा क्षेत्र में बड़े कॉरपोरेट्स जैसे टाटा पावर और अदानी समूह की पकड़ मजबूत है। 2022 के निवेश राजस्थान शिखर सम्मेलन में टाटा पावर ने 8 हजार मेगावाट सौर परियोजनाओं और 1.50 लाख सौर पंपों की स्थापना का वादा किया था अदानी समूह ने 65 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी लेकिन इन परियोजनाओं का लाभ तीसरे पक्ष यानि अन्य राज्यों को बिजली निर्यात में जा रहा है, राज्य के हाथ कुछ नहीं लगा है। स्थानीय समुदायों को भूमि अधिग्रहण में उचित मुआवजा नहीं मिल रहा, और उनकी जमीनें जबरन छीनी जा रही हैं। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि सौर परियोजनाओं के लिए भूमि अधिठाहण में स्थानीय अधिकारियों और कॉरपोरेट्स की मिलीभगत की शिकायतें आम हैं। सौर पैनल आपूर्ति और स्थापना में भी अनियमितताएं देखी जा रही हैं, जहां घटिया सामग्री का उपयोग कर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है। किसानों के लिए सर्दियों में रात में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था अमानवीय है। 5 डिग्री से कम तापमान में रात को खेतों में सिंचाई करना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। यह व्यवस्था इसलिए लागू है ताकि दिन की बिजली शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों को मिल सके मतलब शहरों के पोषण से गांवों की बर्बादी।

कुसुम योजना ने कुछ राहत दी है, लेकिन केवल 20 प्रतिशत किसानों के पास सौर पंप हैं। सौर पंपों की स्थापना में देरी और भ्रष्टाचार ने इस योजना की साख को ठेस पहुंचाई है। सरकार की नाकामियां इस पूरे परिदृश्य को और गंभीर बनाती हैं। सौर ऊर्जा नीति 2023 और एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 कागजों पर क्रांतिकारी हैं, लेकिन जमीनी हकीकत निराशाजनक है। बैटरी भंडारण प्रणालियों को बढ़ावा देने में सरकार विफल रही है। ट्रांसमिशन नेटवर्क का आधुनिकीकरण सुस्त गति से चल रहा है। रूफटॉप सौर प्रणालियों की पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और वित्तीय योजनाएं अपर्याप्त हैं। किसानों की रात में बिजली आपूर्ति की समस्या को हल करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी और पारदर्शिता की कमी है। सौर परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों को हिस्सेदारी देने की बात तो की जाती है, लेकिन इसका अमल न के बराबर है। भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता का अभाव और स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी ने असंतोष को जन्म दिया है। इन समस्याओं का समाधान आसान नहीं, लेकिन नामुमकिन भी नहीं।

बैटरी भंडारण प्रणालियों के लिए सब्सिडी और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना होगा। स्मार्ट ग्रिड और डिजिटल मीटरिंग सिस्टम में निवेश से ऊर्जा हानि को 10 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। रूफटॉप सौर को ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान और आसान ऋण योजनाएं शुरू की जाएं। किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नई नीति बनाई जाए, और कुसुम योजना में भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई हो। सौर परियोजनाओं में स्थानीय समुदायों को हिस्सेदारी दी जाए, और भूमि अधिग्रहण में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। सौर पैनल आपूर्ति व स्थापना में गुणवत्ता जांच को अनिवार्य किया जाए। 2025 में राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश का सिरमौर है, लेकिन यह चमक केवल सतही है। राजस्थान को सही मायनों में सौर ऊर्जा का गढ़ बनाना है, तो सरकार को अपनी नाकामियों से सबक लेना होगा। पारदर्शी, जन-केंद्रित नीतियां और भ्रष्टाचार पर सख्ती ही इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। जनता का भरोसा जीतने के लिए सिर्फ वादे नहीं, बल्कि जमीनी अमल की जरूरत है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

हार्वर्ड : सामुदायिक संस्थान की स्वायत्तता

एक राष्ट्रपति जो पुनः राष्टंपति चुने जाने में असफल होने पर अपने ही देश के संसद भवन 'केपीटोल' पर आक्रमण करवा सकता है वह अपने अहम् की तुष्टि के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। पुनः राष्टंपति चुने जाने पर डोनाल्ड टंप अपने उपराष्ट्रपति जे. डी वांस की बात कि "विश्वविद्यालय देश के दुश्मन हैं", को सही साबित करते हुए सभी विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम, विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के चयन में प्रशासन के दखल को स्वीकार करने का आदेश जारी किया। बहाना अपने स्वनिर्मित आप्रवास नियमों को बना कर विदेशी विद्यार्थियों की भर्ती और प्राध्यापकों के चयन को प्रशासन के अनुसार करने के निर्देश जारी किए हैं। उनके अनुसार ये विश्वविद्यालय यहूदी विरोधी गतिविधियों का केंद्र बन चुके हैं।

इसके जवाब में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंट एलन गार्बर ने अमरीकी प्रशासन के आदेश का प्रतिवाद करते हुए अमरीकी प्रशासन को लिखे अपने पत्र में लिखा है-

"हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमरीका की स्थापना से भी 140 साल पुरानी है। हार्वर्ड को 389 साल हो चुके हैं। यहां से पढ कर 8 राष्ट्रपति निकले हैं। सत्ता में रहने वाली कोई भी राजनीतिक पार्टी हमें यह निर्देश नहीं दे सकती कि हमें क्या पढाना है और कैसे पढाना है और किसे नियुक्ति देनी है।"

"टंप सरकार ने युनिवर्सिटीज को अपनी नीतियों में बदलाव के आदेश दिये हैं। लेकिन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अमरीकी संविधान से मिली स्वतन्त्रता के अधिकार को गिरवी नहीं रखेगी। कोई भी यूनिवर्सिटी अभिव्यक्ति की आजादी का केंद्र होती है। यूनिवर्सिटी होने के नाते हम अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग हैं। भयमुक्त समाज और सभी के लिए खुशहाल जीवन के लक्ष्य यूनिवर्सिटी में बरसों से बनाये रखा है। हम हमेशा किसी भी नस्ल 'यहूदी' अथवा धर्म के त्रिरूद्ध भडकाऊ प्रदर्शनों के खिलाफ रहे हैं। पिछले पंद्रह महिनों के दौरान हमने ऐसे प्रयास किये है कि दुनिया रहने के लिए एक बेहतर जगह बने। हार्वर्ड का लक्ष्य है बहुलवादी समाज के लिए काम करना। दकियानूसी सोच का हमेशा विरोध किया जायेगा। हार्वर्ड का प्रयास वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का है। इन सब के बीच सरकार की ओर से जारी होने वाले सभी आदेशों का यूनिवर्सिटी ने पालन किया है।

"यूनिवर्सिटी से जुड़े 11 कॉलेज इस दिशा में काम कर रहे हैं। यह बात अमरीका ही नहीं पूरी दुनिया जानती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी हमेशा से सरकार के साथ खुले संवाद के लिए तैयार है। लेकिन, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूँ कि हम किसी भी अनुचित दबाव के आगे झुकने वाले नहीं है फिर चाहे कोई भी सरकार सत्ता में हो।" इसके बाद टंप प्रशासन ने 19 हजार करोड़ डॉलर की सहायता-अनुदान रोक दिया है तथा हार्वर्ड युनिवर्सिटी की आमदनी से इनकम टैक्स वसूलने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। 2.2 बिलियन डॉलर की सरकारी सहायता को तत्काल रोक दिया गया है जिसके विरूद्ध हार्वर्ड संस्थान न्यायालय में दावा पेश कर चुका है। हार्वर्ड के इस पूरे प्रकरण में हार्वर्ड के प्रेसीडेंट एलेन गार्बर के पत्र का विशेष महत्व है जो हार्वर्ड की स्वायत्त सामुदायिक संस्थान की पैरवी करते हुए शक्तिशाली अमरीकी प्रशासन के सामने तनकर खड़ा हो रहा है।

'सामुदायिक संस्थान' निश्चित रूप में सरकारों की स्वार्थपरक, अहंकारी, व्यक्तिवादी अपेक्षाओं के बीच सामुदायिक महत्व और सामुदायिक उत्तदायित्वों को रेखांकित करती है। संयुक्त राज्य अमरीका के औपचारिक गठन और संविधान को अपनाने के बावजूद, बेशक हार्वर्ड जैसी संस्थान पूंजीवादी शिक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, फिर भी जिस स्वरूप में इसका विकास हुआ है वह भविष्य की वैश्विक सामुदायिक संस्थान के रूप में उभर चुकी है और अगर इसके पूंजीगत आग्रहों को एक तरफ रख दिया जाये तो हार्वर्ड भविष्य की कम्यूनिस्ट व्यवस्था के सामुदायिक संस्थान की अभिव्यक्ति है जो किसी पूंजीवादी सरकार के प्रशासनिक पूर्वाग्रहों को नकारते हुए मानवजाति के सामुदायिक सरोकारों को स्थापित करते हैं। यदि हम सोवियत संघ की व्यवस्था में सरकार द्वारा प्रोत्साहित सामुदायिक संस्थानों के किये गये विकास को छोड़ भी दें तो, यूरोपीय संघ उसी सोवियत संघ की प्रेरणा को आगे बढा रहा है जहां अनेक संस्कृतियों और अनेक राष्ट्रों तथा राष्टीयताओं के होते हुए भी उनके समान आर्थिक, सामरिक हित है निश्चित ही यह भविष्य की विश्वव्यापी स्वायत्त सामुदायिक संस्थानों के लिए नींव का पत्थर है- हार्वर्ड का टंम्प प्रशासन जैसे शासन के सामने अपनी स्वायत्तता, अपनी वैश्विक पहचान बनाये रखने के लिए।

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

पहलगाम आतंकी हमला: राजनीतिक नजरिये से बहुत कुछ मायने रखता है!

श्याम सिंह पंवार

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला के बारे में बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर गोलीबारी की, निश्चित रूप से एक निंदनीय और अमानवीय कृत्य है। यह घटना न केवल धार्मिक आधार पर नफरत और हिंसा को दर्शाती है, बल्कि "राजनीतिक दृष्टिकोण से भी गहरे निहितार्थ रखती है।"

धार्मिक आधार पर यह हमला नफरत और कट्टरता का प्रतीक है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आतंकियों ने हिंदुओं को निशाना बनाया और कुछ मामलों में जबरन कलमा पढने के लिए दबाव डाला, जो न मानने वालों को गोली मार दी गई। यह कृत्य किसी भी धर्म के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है, क्योंकि सभी धर्म मानवता, शांति और सह-अस्तित्व की बात करते हैं। इसे किसी "धार्मिक चोले में ढालना केवल हिंसा को औचित्य देने की कोशिश है, जो किसी भी नैतिक या आध्यात्मिक दृष्टिकोण से स्वीकार्य नहीं है।"

राजनीतिक दृष्टिकोण से यह हमला कश्मीर में शांति और पर्यटन के पुनरुत्थान को अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा प्रतीत होता है। पहलगाम, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' कहा जाता है, पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण है, और हाल के वर्षों में कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह हमला, क्षेत्र में अशांति फैलाने और भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास हो सकता है।लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (ऊँइ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है, और सूत्रों के अनुसार, आतंकी पाकिस्तान से संचालित हो सकते हैं।

इस हमले ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर गहरा आघात पहुंचाया है, क्योंकि कई पर्यटक क्षेत्र छोड़ रहे हैं। अगर ऐसे नजारे और बढ़े तो यहाँ के लोगों का रोजगार प्रभावित हो जाएगा।

यह मेरा निजी विचार है कि– यह हमला न केवल धार्मिक कट्टरता का घिनौना प्रदर्शन है, बल्कि "एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति भी प्रतीत होती है। जो कि मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है।"

-श्याम सिंह पंवार, कानपुर।
वरिष्ठ पत्रकार

दो नाबालिगों का विवाह रूकवाया

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए प्रशासन पूर्ण मुस्तैदी से जुटा हुआ है। कलक्टर कार्यालय में स्थापित बाल विवाह कन्ट्रोल रुम एवं बाल अधिकारिता विभाग में संचालित चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 पर बेडवास में बाल विवाह की सूचना पर पहुंच कर दो नाबालिगों का विवाह रूकवाया।

कन्ट्रोल रुम प्रभारी बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक के.के.चंद्रवंशी के अनुसार मंगलवार शाम चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर जानकारी मिली कि शहर के समीप बेडवास क्षेत्र में एक परिवार अपने नाबालिग बालक और बालिका की शादी 22 अप्रेल 2025 को करने जा रहे है। चन्द्रवंशी ने चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक नवनीत ओदिच्य को तुरंत टीम गठित कर प्रशासन के सहयोग से बाल विवाह रुकवाने एवं पाबन्द करवाने के निर्देश दिए। चाइल्ड हेल्पलाइन सदस्य महेंद्र सिंह राजपूत, प्रदीप मेघवाल, पटवारी आशीष कुमार, प्रताप नगर थाना से ए.एस.आई पर्वत सिंह और बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष यशोदा पणिया, सदस्य अंकुर टांक मौके पर पहुंचे और हालातों का जायजा लिया। प्रथम दृष्ट्या लगा कि शादी की पूरी तेयारी थी। टेंट लगे हुए थे और खाना चल रहा था।

विवाह के बारे में पूछा तो आना-कानी करने लगे फिर दूल्हा और दुल्हन के दतावेज देखे तो बालिका की उम्र 17 वर्ष पाई गई। दो बालक की उम्र 16 वर्ष व 18 वर्ष थी दोनों नाबालिग पाए गए। इस पर टीम ने लडकी के परिवार को उसके बालिग होने के बाद ही शादी करने के लिए पांबद किया। इस कार्यवाही में बाल कल्याण समिति यशोदा पणिया, सदस्य अंकुर टांक, चाइल्ड हेल्पलाइन टीम से मोईन मन्सुरी महेंद्र सिंह और प्रदीप मौजूद रहे।

ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत की अनोखी पहल : धरती माता को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने का संकल्प

शाहपुरा। पर्यावरण प्रेमी ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में, नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ पर्यावरण संरक्षण के महत्व की चर्चा की गई। कार्यक्रम में धरती माता को हरा-भरा, स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया गया।ठीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर दिया।कार्यक्रम में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत अपने घर को हरा-भरा करने और अपने जन्मदिन एवं किसी खास दिन पर पेड़ लगाने का संकल्प लिया।प्लास्टिक प्रदूषण के कारणों और इसके निवारण के तरीकों पर चर्चा की गई।श्रेया कुमावत ने कहा, प्लास्टिक प्रदूषण हमारे पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा खतरा है। हमें प्लास्टिक का उपयोग कम करना चाहिए और प्लास्टिक को रिसाइकिल करना चाहिए।

ग्रीन लिटिल बेबी श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सभी बच्चों को ग्रीन बेबी का मेडिसिन हर्बल गार्डन का भ्रमण कराया गया और उसमें लगे प्रत्येक हर्बल प्लांट्स के बारे मे और घर की शुद्ध आर्गेनिक सब्जीयों के पौधों के बारे में एवं घर से निकले 80 वेस्ट कचरे व प्लास्टिक को रिसाइकिल कर वेस्ट तो बेस्ट उपयोग करने के बारे में जानकारी दी गई। हमें अपने घर को हरा-भरा करने के साथ और अपनी धरती माता पर भी पेड़ लगाने का संकल्प लेना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश

- **अब संतों, जननायकों और शहीदों के नाम होंगी अजमेर शहर की प्रमुख सड़कें**
- **संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी ने दी हरी झंडी, चार प्रमुख सड़कों का नामकरण**

अजमेर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निर्देश पर अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की चार प्रमुख सड़कों का नामकरण किया गया है। संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता वाली कमेटी ने नामकरण के इन प्रस्तावों को हरी झंडी दी। संत शिरोमणी नामदेव महाराज, शहीद स्व. मेजर नटवर सिंह शक्तावत, शहीद अविनाश माहेश्वरी, वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अब यह सड़कें जानी जाएगी। शीघ्र ही अन्य मार्गों, थानों व क्षेत्रों के नाम भी राष्ट्र गौरव के परिचायक नामों के आधार पर रखे जाएंगे।

अजमेर शहर को गुलामी के प्रतीक नामों से मुक्ति दिलाने और राष्ट्रनायकों को जनमानस में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रशासन को यह निर्देश दिए थे।

उन्होंने कहा था कि अजमेर के लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी में अपने नायकों के इतिहास, नाम और उनके व्यक्तित्व की पहचान और जानकारी होनी चाहिए। देवनानी ने निर्देश दिए थे कि आगरा गेट चौराहे से लेकर अग्रसेन चौराहे तक मार्ग का नाम संत शिरोमणी नामदेव महाराज के नाम से किया जाए। इसी तरह सेंट स्टीफन चौराहे से झलकारी बाई स्मारक तक की रोड़ का नाम वीरांगना झलकारी बाई रोड़ एवं पंचशील नगर में एक्सिस बैंक के भवन से ब्राविया रेजिडेन्सी तक सेक्टर बी व सी के मध्य की डिवाईडर रोड़ का नाम शहीद स्व. मेजर नटवर सिंह शक्तावत तथा आनासागर पुलिस चौकी से मामा की दुकान (प्रेमनगर) तक स्थित मार्ग का नाम शहीद अविनाश माहेश्वरी मार्ग किया जाए। इस सभी प्रस्तावों को नगर निगम की साधारण सभा में भी मंजूरी दे दी गई।

देवनानी के निर्देश पर इन नामों को संभागीय आयुक्त महेश चन्द्र शर्मा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने भी मंजूरी दे दी है। इन मार्गों को अब संतों, वीरांगना व जननायकों के नाम से जाना जाएगा। गौरतलब है कि देवनानी के निर्देश पर इससे पूर्व अजमेर में भवनों व तालाबों को गुलामी के प्रतीक नामों से मुक्ति दिलाई गई थी। देवनानी के निर्देश पर किंग एडवर्ड मेमोरियल का नाम बदल कर महर्षि दयानन्द विश्रांति गृह किया गया। इसी तरह राजस्थान पर्यटन विकास निगम की होटल खादिम का नाम बदल कर होटल अजयमेरू किया गया। इसी तरह शहर के प्रमुख तालाब फॉयसागर को भी अंग्रेजी नाम से मुक्ति दिलाकर वरूण सागर नाम दिया गया। देवनानी ने एलीवेटेड रोड़ का नाम बदल कर रामसेतु करने पर भी विधायक के रूप में अपनी सहमति दी है।

राशिफल गुरूवार 24 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, शतभिषा नक्षत्र दिन 10:49 तक, ब्रह्म योग दिन 3:56 तक, बालव करण दिन 2:33 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:26 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज बरुथिनी एकादशी व्रत, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:35 तव, चर 10:48 से 12:25 तक, लाभ अमृत 12:25 से 3:38 तक, शुभ 5:15 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:58, सूर्यास्त 6:51

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कारोबारी अनुबंध प्राप्त होंगे। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

सार-समाचार

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

बीदासर (निसं)। कस्बे के टांटिया अस्पताल के पीछे वार्ड नो स्थित घिंटालिया बास में रामेश्वर लाल केशरमल सांखला के सौजन्य से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ बुधवार को शोभायात्रा से शुरू हुआ। इस अवसर पर कस्बे के गांधी चौक स्थित भगवान गोपीनाथ मंदिर से गाजे बाजे, डीजे, रथ, बग्गी के साथ विशाल कलश यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से निकाली गई। कलश यात्रा में मनमोहक झांकियां आकर्षण का केंद्र रही। 2 हजार से अधिक महिलाएं भजन कीर्तन करती हुई मुख्य मार्गों से गुजरी तो श्रृद्धालुओं ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा भगवान गोपीनाथ मंदिर से मंडी बाजार, हाई स्कूल रोड़, गणेश मंदिर, पुराना बस स्टेंड रोड़, सीएससी मार्ग, घंटियाल रोड़ से होते हुए कथा स्थल पहुंची। शोभायात्रा में बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, सैनी समाज के तहसील अध्यक्ष व वार्ड पार्षद ललित सांखला, पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, केशर मल, नंदलाल, कमल माली, महेंद्र माली, गोपाल छापोला, पार्षद सांवर मल सैन, नंदलाल दर्जी सहित अनेक नगरवासी साथ थे। दोपहर में भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए नोखा की कथा वाचक सुश्री मोनिका पारीक ने कहा कि भागवत कथा का स्मरण करने मात्र से ही मनुष्य का कल्याण हो जाता है। इस अवसर पर कथावाचक पारीक ने भागवत कथा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा के शुभारंभ पर व्यासपीठ की पूजा अर्चना मुख्य यजमान केशर मल सांखला सहित अनेक श्रृद्धालुओं ने की।

अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण किया

चूरू (निसं)। गर्मी के हीट वेव को लेकर स्वास्थ्य भवन जयपुर के स्टेट जॉइंट डायरेक्टर की टीम बुधवार को चूरू पहुंची। टीम ने डीबी अस्पताल के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। जयपुर स्टेट जॉइंट डायरेक्टर डॉण् सुरेन्द्र खोलिया ने बताया कि हीट वेव को लेकर अस्पताल का निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण में डॉण् खोलिया ने मेडिसिन आईसीयू मेल और फिमेल वार्डए गायनिक वार्डए पीडियाट्रिक वार्ड आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित वार्डों में आइस पैकए कोल्ड आईवी फ्ल्यूड की अच्छी व्यवस्था पाई गई। अस्पताल में करीब दस से 12 जगह पर ओआरएस काउंटर बनाए हुए थे। जहां ठंडा पानी और ओआरएस के पैकेट रखे मिले हैं। इसके अलावा हर वार्ड में पीने के ठंडे पानी की व्यवस्थाए वाटर कूलर और कैंपर पाए गए हैं। अस्पताल के सभी वार्डों में एयर कंडीशन और कूलर की समुचित व्यवस्था पाई गई। सभी एसी और कूलर अच्छी वर्किंग कंडीशन में पाए गए। अस्पताल के दवा वितरण काउंटर पर गर्मी जनित मरीजों की दवाइयां भी पर्याप्त मात्रा में मिली हैं। वहीं मुख्यमंत्री निशुल्क जांच योजना के अंतर्गत लैब में 24 घंटे 160 प्रकार की जांच होनी पाई गई है।

परशुराम जयंती के सभी आयोजन स्थगित

पाटन (निसं)। विप्र समाज नीमकाथाना ने राष्ट्र को सर्वोपरि मानते हुए एक अनुकरणीय निर्णय लिया है। हाल ही में पहलगाम (जम्मू-कश्मीर) में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज ने आगामी भगवान परशुराम जन्मोत्सव के सभी सार्वजनिक आयोजनों को निरस्त करने की घोषणा की है।विप्र समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह हमला केवल 30 निर्दोष लोगों पर नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष की आत्मा पर हुआ है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम है। समाज ने एकमत से निर्णय लिया कि इस बार परशुराम जन्मोत्सव को सादगी से मनाया जाएगा। केवल पूजा-अर्चना एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों तक सीमित रखा जाएगा। इस दौरान समाजजनों ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान के विरुद्ध इस कायरतापूर्ण कृत्य पर कडी और निर्णायक कार्यवाही की मांग भी की है।विप्र समाज नीमकाथाना का यह निर्णय न सिर्फ राष्ट्रभक्ति की मिसाल है बल्कि यह संदेश भी देता है कि देशहित से बडा कोई पर्व नहीं होता।

राजलदेसर को पंचायत समिति बनाने की मांग

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर में पंचायत समिति व कृषि उपज मंडी की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का धरना बुधवार को आठवें दिन भी जारी। संघर्ष समिति ने बताया कि 2 मई को संयुक्त किसान मोर्चा ने चेतावनी देते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 11 पर तहसील कार्यालय के आगे चक्का जाम किया जाएगा। जिनकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। धरने पर राजलदेसर क्षेत्र के सरपंचों ने समर्थन दिया । जिसमें सिमसिया सरपंच परमेश्वर लाल मेघवाल, लाछड़सर सरपंच धापू देवी, आलसर सरपंच भानीराम, भांवदेसर सरपंच भागीरथ, जेगणिया सरपंच देवीलाल मेघवाल, बीनादेसर सरपंच कमला सारस्वत, परसनेऊ सरपंच गोमती देवी, अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष कामरेड भादर भामू, समेर सिंह, रामकिशन भामू, हरिराम हुड्डा, गज्जू सिंह, सांवरमल भामू, गिरधारी घिंटाला, लाभचंद सोनी, हैमजी कस्वां, रमेश सारण, रतिराम पूनिया, हरिराम भामू , जय, रामनाथ सिद्ध, सुखनाथ सिद्ध, परमानंद भामू, शंकर भामू, खेमाराम शीलू, लिखमाराम कुडिया, कानाराम नाई, अशोक कच्छावा, फुल सिद्ध सहित सैकडो किसान धरना पर उपस्थित रहे।

आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया

चूरू (निसं)। चूरू के राजकीय डीबी अस्पताल में फायर सेफ्टी सप्ताह के दौरान मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। नई इमरजेंसी के पास आग लगने की सूचना मिलते ही उप अधीक्षक डॉ. इदरिश खान तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार और अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक चौधरी को घटना की जानकारी दी। डॉ. खान ने नगर परिषद की दमकल टीम को भी सूचित किया। दमकल के पहुंचने पर डॉ. चौधरी और डॉ. खान ने आग पर नियंत्रण पाया। इस दौरान फायरमैन ने अस्पताल कर्मचारियों को आग से निपटने के तरीके सिखाए। कर्मचारियों को फायर एक्सटिंग्विशर के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। आग की सूचना पर पहुंचे कर्मचारी तब राहत की सांस लेते नजर आए जब उन्हें पता चला कि यह फायर सेफ्टी सप्ताह के तहत एक मॉक ड्रिल थी। इस अभ्यास से अस्पताल कर्मचारियों को आपातकालीन स्थिति में कार्रवाई करने का अनुभव मिला।

मुरारीलाल योगी पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

पाटन (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत उप शाखा) पाटन का वार्षिक अधिवेशन संगठन कार्यालय, डाबला रोड स्थित शिव मंदिर धर्मशाला में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पर्यवेक्षक ताराचंद सैनी के निर्देशन में बैठक का संचालन किया गया। अधिवेशन में सर्वसम्मति से मुरारीलाल योगी को पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही छंगाराम सैनी को ब्लॉक मंत्री तथा सावंताराम योगी को कोषाध्यक्ष पद हेतु चुना गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एकमत से ब्लॉक कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न कर अनुशासन और संगठनात्मक एकता का परिचय दिया।कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाने हेतु अपने सुझाव भी साझा किए। अधिवेशन में क्षेत्र के कई वरिष्ठ शिक्षक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाये

तारानगर (निसं)। तारानगर नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी अजय प्रताप सिंह सांखला के निर्देशन में पक्षी मित्र अभियान के तहत बुधवार को भीष्ण गर्मी को देखते हुए गांधी उद्यान पार्क में नगरपालिका द्वारा परिंडे लगाये गए एवं पशुओं के लिए पीने के पानी व्यवस्था की गयी। अधिशाषी अधिकारी सिँह ने बताया कि नगरपालिका कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन पानी की व्यवस्था करने का संकल्प भी लिया गया। पशु पक्षियों के टेक्टर टेंकर द्वारा रोजाना पानी की व्यवस्था की जाएगी। इस मोके पर लक्खू सिंह शेखावत, त्रिशूल भाटी, अर्जुन सिंह, गोपालराम, राजेंद्र, विनोद शर्मा, यश शर्मा, सुरेंद्र जांगिड़, विकास, शक्ति सिंह, कृष्ण भाम्भू, सुशील सहित पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्य क्लब ने परिंडे लगाकर देखभाल की जिम्मेदारी ली

चूरू(निसं)। दिव्य क्लब की ओर से बुधवार को इंद्रमणि पार्क में अत्यधिक गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगायें। क्लब प्रवक्ता रूपम माथुर ने बताया कि पक्षियों को गर्मी से राहत देने के लिए बुधवार को दिव्य क्लब की सदस्य रमा नोवाल के सौजन्य से इंद्रमणि पार्क में 15 परिंडे लगाए गये और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष ललिता टावरी, सचिव विमलेश भालेरीवाला, कोषाध्यक्ष निर्मला मंडावेवाला, स्नेहलता अग्रवाल, विजयलक्ष्मी पारीक, अर्चना मिश्र, माया जोशी, रेखा सोनी सहित क्लब की अनेक पदाधिकारी मौजूद थी।

राजलदेसर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर थाना प्रभारी कमलेश सैनी ने बताया कि 19 अप्रैल को परिवाद अपनी माता के साथ उपस्थित होकर रिपोर्ट दी जिसमें बताया गया कि करीब चार माह पहले मैं घर से रवाना होकर खेत में जा रही थी। तब रास्ते में सूनसान जगह के अन्दर ताराचन्द ने मुझे पकड़ लिया व मेरे साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और कहा कि किसी को बता दिया तो मुझे व मेरे परिवार को जान से मारने तथा परिवादीया की फोटो वायरल करने एवं परिवादीया की सगाई तुडड़वाने व बदनाम करने की धमकीयां दी।

वहीं 17 अप्रैल को परिवादिया निजी कार्य से कस्बा राजलदेसर में आई हुई थी। उस दिन भी जोरावरपुरा निवासी ताराचन्द मेघवाल ने परिवादिया के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की उसके बाद आरोपी ताराचन्द परिवादिया को लगातार परेशान कर रहा है। पुलिस ने अनुसंधान प्रारंभ करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव, रतनगढ़ पुलिस उप अधीक्षक अनिल कुमार, पुलिस थाना राजलदेसर के निकटतम सुपरविजन में टीम गठित की जिसमें बुधवार को आरोपी ताराचन्द को आबडसर फांटा एनएच 11 के पास से डिटेन किया गया। पूछताछ कर आरोप प्रमाणित पाया जाने पर मुल्जिम ताराचन्द को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गुरुवार को न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड प्राप्त की जाएगी।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्त में लिया।

आरोपी युवक को 20 साल की सजा

झुंझुनूं, (निसं)। पोक्सो कोर्ट ने एक और मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी को 20 साल की सजा के साथ-साथ एक लाख 30 हजार रूपए का जुर्माना अलग-अलग धाराओं में लगाया है। पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह भाम्बू ने बताया कि 24 अप्रेल 2022 को झुंझुनूं के सदर थाना इलाके के एक व्यक्ति ने मामला दर्ज कराया था कि उसकी 15 साल की बेटी नीट की तैयारी करने के लिए कोटा गई थी। बेटी के साथ क्लास में विजय नाम का युवक था। जिसकी जानकारी योगेश मीणा से थी। जिसके चलते पीड़िता की जानकारी भी सवाईमाधोपुर जिले के मानटाउन थाना इलाके के पुलिस लाइन के पीछे आदर्श नगर निवासी योगेश मीणा पुत्र रामसिंह मीणा से हो गई। योगेश मीणा ने पहले झुंझुनूं सदर थाना इलाका क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग से दोस्ती की। इसके बाद उसके साथ कोटा में ही एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने से पहले पीड़िता को ज्यूस में नशे की दवा पिलाई। जिससे पीड़िता बेहोश हो गई। पीड़िता को जब होश आया और उसने इसका विरोध किया तो आरोपी ने पीड़िता के अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। जिसके बाद कई बार पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

खाद्य सुरक्षा योजना में पात्रों को लाभ, अपात्रों पर कार्रवाई

सीकर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार वंचित वर्गों के कल्याण और उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि समाज की अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोडकर मुख्यधारा में शामिल किया जाए। इस दिशा में पात्र व्यक्तियों को लाभ सुनिश्चित करने और अपात्र व्यक्तियों को चिह्नित कर योजना से बाहर करने के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम, 2023 के अनुसार, परिवार में आयकर दाता, सरकारी अर्द्धसरकारी स्वायत्तशासी संस्था में कर्मचारी, एक लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय, या चार पहिया वाहन (जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) वाले परिवार योजना से निष्कासित हैं।

जिला रसद अधिकारी सीकर विजेंद्र पाल ने बताया कि 01 नवंबर 2024 से शुरू गिव अप अभियान के तहत राजस्थान में 17.63 लाख व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा, जिसमें सीकर जिले के 49,413 व्यक्तियों ने यह जिम्मेदारी निभाई। यह जनसहभागिता सक्षम वर्ग की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। 26 जनवरी 2025 को पुनः खोले गए खाद्य सुरक्षा योजना पोर्टल के माध्यम से राजस्थान में 20.80 लाख व्यक्तियों को योजना से जोडा गया, जिसमें सीकर जिले के 1,13,035 पात्र व्यक्ति शामिल हैं।

सीकर जिले में 180 अपात्र व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं और वसूली की कार्रवाई शुरू की जाएगी। खाद्य विभाग ने उचित मूल्य दुकानों पर प्रवर्तन अधिकारियों को औचक निरीक्षण के निर्देश दिए है। साथ ही, परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामियों का डाटा संकलित कर अपात्रों के खिलाफ नोटिस और वसूली की कार्रवाई को और तेज किया जाएगा।

जिला रसद अधिकारी पाल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सक्षम व्यक्तियों से स्वेच्छा से लाभ छोड़ने और अपात्रों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग की अपील की।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

झुंझुनूं, (निसं)। पोक्सो कोर्ट ने एक नाबालिग से हुए दुष्कर्म के मामले में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए आरोपी को 20 साल की सजा सुनाई है। साथ ही अलग-अलग धाराओं में 71 हजार रूपए का जुर्माना भी ठोका है। इस मामले में 15 साल की बालिका के साथ दुष्कर्म हुआ और उसके बाद वह जब छह माह की गर्भवती हो गई। तब पूरा मामला सामने आया। इसके बाद उदयपुरवाटी थाने में केस दर्ज हुआ। आरोपी को गिरफ्तार किया गया। तब से आरोपी जेल में ही है। पोक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह भाम्बू ने बताया कि उदयपुरवाटी थाने में फरवरी 2023 में पीड़िता के परिजनों ने मामला दर्ज करवाया था कि उदयपुरवाटी के मनसा माता मंदिर में रहकर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करने वाले खोह निवासी फूलचंद जोगी ने करीब पांच-छह महीने पहले उसकी नाबालिग बेटी को पहाड़ियों में ले गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। दुष्कर्म की बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घबराई हुई नाबालिगा ने दुष्कर्म के बारे में किसी को नहीं बताया। उसकी बेटी का जब पेट बढ़ने लगा तो उसे नीमकाथाना ले जाकर डॉक्टर को दिखाया गया। जहां पर डॉक्टर ने गर्भवती होने की जानकारी दी। इसके बाद जब परिजनों ने बच्ची को पूछा तो उसने आप बीती बताई। इस मामले में पुलिस ने भी त्वरित कार्रवाई करते हुए खोह निवासी फूलचंद जोगी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही न्यायालय में चालान भी पोक्सो और एससी एसटी एक्ट की धाराओं में प्रस्तुत कर दिया। इसी दौरान दुष्कर्म पीड़िता ने बच्चे को भी जन्म दे दिया। जन्मे हुए बच्चे का भी डीएनए टेस्ट करवाया। जो आरोपी के साथ मैच हो गया। कोर्ट ने फैसला सुनाते वक्त इस डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट को सबसे बडा आधार माना और आरोपी को सजा सुनाई। इससे पहले कोर्ट में 17 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं कुल 46 दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विद्वान न्यायाधीश इसरार खोखर ने पोक्सो और एससी एसटी की धाराओं में आरोपी को दोषी मानते हुए अलग-अलग धाराओं में 20 साल की सजा और 71 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है।

पौधों से ही पर्यावरण संतुलन और वन्य जीवों का संरक्षण संभव : डीएफओ

विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में नेचर पार्क में पौधरोपण किया।

चूरू (निसं)। स्थानीय नेचर पार्क में विष्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपवन संरक्षक वीरेंद्र सिंह थे। उपवन संरक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बढ़ते तापमान को कम करने के लिए पौधें लगाना अत्यधिक आवश्यक है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आगामी मानसून के समय में प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा अवश्य लगाये, जिससे पर्यावरण को संतुलन किया जा सके और वन एवं वन्य जीवों का संरक्षण हो सके। उप वन संरक्षक ने बताया कि इस वर्ष विश्व पृथ्वी दिवस की थीम हमारी शक्ति हमारा ग्रह है। थीम की जानकारी देते हुए उन्होंने नवीनीकरण ऊर्जा के स्त्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग पर बल दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन कुमार शर्मा, दीपचंद यादव, घनश्याम सिंह व सहायक वनपाल कृष्णा व छात्र-छात्राएं उपस्थित थी।

केरियर काउंसलिंग सेमिनार आयोजित

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी (निसं)। स्थानीय श्री ऋषिकुल विद्यापीठ, में विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए केरियर काउंसलिंग सेमिनार एवं विषय चयन परीक्षा का आयोजन किया गया।

यह जानकारी देते हुए संस्था प्राचार्य डॉ रेखा शर्मा ने बताया कि इस विशेष अवसर पर नायब तहसीलदार बाबूलाल बिजारणिया मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। जबकि सहायक अभियंता जलदाय विभाग श्रीमती सुनीताबतौर अतिथि मंचस्थ थी।सेमिनार में बच्चों को सही विषय चयन के महत्व को समझाया गया, जिससे वे विज्ञान, वाणिज्य या कला जैसे संकायों में अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार निर्णय ले सकें।

उन्होंने बताया कि परीक्षा का उद्देश्य बच्चों के सामने आने वाली विषय चयन संबंधी दुविधाओं का समाधान करना था।कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम स्थान पर पीयूष मंडीवाल, द्वितीय स्थान पर निलीक्षा शर्मा, तृतीय स्थान पर गुंजन जाखल सहित सभी विद्यार्थियों को मोमेंटो, मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति के भारत आगमन का विरोध किया, पुतला जलाया

झुंझुनूं, (निसं)। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रव्यापी आ ान पर संयुक्त किसान मोर्चा के घटक संगठनों अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय किसान महासभा व क्रांतिकारी किसान यूनियन की तरफ से जिला कलेक्ट्रेट पर एक दिवसीय धरना देकर अमेरिकी साम्राज्यवाद की टैरिफ दबाव नीति के तहत भारत सरकार की बांह मरोड़ने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारतीय खेती पर बड़े हमले की तैयारी में की जा रही भारत यात्रा का पुरजोर विरोध किया तथा जेडी वेंस वापस जाओ, अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने का दबाव बनाना बंद करो, अमेरिकी के सामने भारत सरकार घुटने टेकना बंद करो आदि नारे लगाए।

धरने की शुरुआत में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्याओं पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया तथा आतंकियों को कडी से कडी सजा देने की मांग का प्रस्ताव पारित किया तथा दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का पुतला दहन किया। धरने को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड रामचंद्र कुलहरि ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत सरकार पर दबाव बनाकर अपने देश में भारी सब्सिडी पर तैयार अतिरिक्त कृषि उत्पादों डेयरी उत्पाद, सोयाबीन, कपास, मछली उत्पाद, गेंहू, सेव व सूखे फलों पर एक एक करके टैरिफ कम करवाकर भारतीय खेती को तबाही के दस्तावेज पर हस्ताक्षर करवाने के लिए आया है। भारत सरकार अमेरिका में निर्यात किए जा रहे दवा उद्योग की दवाइयां व मोबाइल व अन्य सामग्रियों पर टैरिफ न बढ़ाने की एवज में भारतीय खेती की बली देने के लिए तैयार है। जिसका देशभर में संयुक्त किसान मोर्चा पुरजोर विरोध करेगा। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला सचिव कामरेड मदनसिंह यादव ने कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति का दौरा अमेरिकी कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करवाने के साथ साथ अपने व्यापारिक हित में रक्षा सौदों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का आउटडेटेड हो चुके माल को भी भारत में खपाना चाहता है।

क्रांतिकारी किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष कामरेड पोकर सिंह झाझड़िया ने कहा कि खेती पर बढ़ रहे हमलों के खिलाफ हमें लगातार सजग रहना पड़ेगा। धरने को कामरेड बंजरगलाल एडवोकेट, अखिल भारतीय सभा के जिलाध्यक्ष कामरेड गिरधारीलाल महला, जिला उपाध्यक्ष कामरेड बिजेंद्रसिंह कुलहरि, अखिल भारतीय किसान महासभा के कामरेड अमरसिंह चाहर, कामरेड रोहतास काजला, महेश चौमाल, मुस्लिम न्याय मंच अध्यक्ष इमरान बड़गुजर, सहदेव कस्वां, रामनिवास बेनीवाल, पितराम कालेर, युनूस भाटी, कप्तान मोहनलाल, त्रिलोकसिंह डूडी, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा व बलवान सिंह बलौदा ने संबोधित किया। धरने की तरफ से एक प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री के झुंझुनूं जिले के दौरे को निराशाजनक बताते हुए यमुना जल समझौता के समय हाईकोर्ट के निर्देश पर बनी छह पाइप लाइन की डीपीआर की बजाय चार पाइप लाइन की डीपीआर बनाने की घोषणा कर रहे थे। जिसमें एक पाइप लाइन हरियाणा की बता रहे थे। अब दौरे में तीन पाइप लाइन, जिसमें एक हरियाणा की बता रहे हैं पानी की मात्रा घटाते घटाते कहां ले जाएंगे। प्रस्ताव में झुंझुनूं में सती माता के जयकारे लगाकर मुख्यमंत्री ने कानून का उल्लंघन करने की आलोचना की।

सार-समाचार

हमीरवास को पंचायत समिति बनाने की मांग

सादुलपुर, (निसं)। उपतहसील हमीरवास क्षेत्र के लोगो ने हमीरवास को पंचायत समिति बनाने कि मांग को लेकर ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में लिखा कि पंचायतीराज संस्थाओ के पुनर्गठन मे 24 ग्राम पंचायतों का पंचायत समिति मुख्यालय चांदगोठी को प्रस्तावित्त किया गया है, जिसके सदर्भ मे राजस्थान सरकार ने अब आमजन से प्राप्त आपत्तियों के आधार पर पुनः परीक्षण के आदेश दिए है। उपतहसील हमीरवास बड़ा भौगोलिक दृष्टि से इन 24 ग्राम पंचायतो के मध्य स्थित उपतहसील कार्यालय है, 98 गाँवो का पुलिस थाना स्थित है, 12 ग्राम पंचायतो का पोस्ट ऑफिस है, एसबीआई व बीआरकेजीबी बैंक,कई विधालय व महाविद्यालय स्थित है, हमीरवास बड़ा को पंचायत समिति बनाना सरकार के सिंगल विंडो कि अवधारणा को पूर्ण करता है जो आमजन के हित मे है, ज्ञापन के साथ मे ग्राम पंचायतो व प्रस्तावित पंचायतो के समर्थन पत्र भी संलग्न किए गए है । इस मौके पर सेकडो ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इस सबंध मे कोई कार्यवाही नहीं कि जाती है तो हमीरवास बड़ा व 24 ग्राम पंचायतो के ग्रामीण धरना-प्रदर्शन करने को लेकर बाध्य होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन कि होंगी। ज्ञापन देने वालो मे उप प्रधान रामफल लंबोरिया, बीडीसी मेंबर सुशीला देवी, सुमेर पूनिया पूर्व सरपंच भेसली, राय सिंह सरपंच भेसली, राहुल चौधरी, छात्र नेता, नीरज मलिक बांगड़वा, अनीता सरपंच बेवड़, गीना देवी सरपंच हमीरवास, बलवीर पूर्व सरपंच नवा, पूर्व सरपंच रामेश्वर जसवंतपुरा, ओमप्रकाश सहारण, सोनू, रणजीत, रमन,सचिन सूंडा, कानवीर शेखावत, अमन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत को पंचायत समिति में यथावत रखने की मांग

तारानगर (निसं)। तारानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खरतवासिया को नवसर्जित पंचायत समिति भालेरी की बजाय तारानगर में रखने की मांग को लेकर खरतवासिया ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के नाम उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार को ज्ञापन दिया है। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया है कि तारानगर क्षेत्र में नवसर्जित पंचायत समिति भालेरी बनाया गया है जिसमें गाँव खरतवासिया को जोड़ा गया है जो भालेरी से करीब 47 किमी दूर पड़ता है जबकि खरतवासिया ग्राम पंचायत वर्तमान पंचायत समिति मुख्यालय से 15 किमी दुरी पर स्थित है। भालेरी जाने के लिए गाँव के लोगों को तारानगर होकर भालेरी जाना पड़ेगा इससे समय का भी काफी दुरूपयोग होगा इसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। इसी प्रकार गाँव चलकोई खीचड़ान को मूल पंचायत खरतवासिया में रखने की मांग को लेकर चलकोई खीचड़ान के लोगों ने उपखंड अधिकारी ज्ञापन दिया है ग्रामवासियों ने ज्ञापन में लिखा है कि ग्राम पंचायत खरतवासिया का नजदीकी हैडक्वाटर से मात्र 500 मीटर की दूरी पर स्थित है जबकि नवसर्जित पंचायत 12 कि.मी. है तथा जवानीपुरा गांव तहसील सीमा का अंतिम गाँव है जहां लोगों को आने रास्ता नहीं होने के कारण आवागमन में भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों ने ज्ञापन के माध्यम से गांव चलकोई खीचड़ान को परिसीमन के निर्धारित मापदंडो की जाँच करते हुए मूल ग्राम पंचायत खरतवासिया में यथावत रखने की मांग की है। इस मोके पर सरपंच ख्यालीराम प्रजापत, दिनेश प्रजापत, शीशपाल मुंड, खींवसिँह राघव, हड़मान सिँह खीचड़, उदमीराम प्रजापत, भंवरलाल खीचड़ सहित खरतवासिया ग्राम पंचायत के काफी लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया

तारानगर (निसं)। चूरू जिला परिषद लोकपाल लालचंद रैगर ने मनरेगा योजनान्तर्गत संचालित कार्यो के तहत तारानगर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत तोगावास में वृक्षारोपण कार्य, पंचायत भवन परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम विकास अधिकारी मानेन्द्र सिंह ने लोकपाल को निरिक्षण करवाया एवं बताया कि ग्राम पंचायत भवन परिसर में लगभग 1500 पौधे लगाने गये जो कि वर्तमान में लगभग 95 प्रतिशत जिवित है। पौधों की देखभाल करने में मनरेगा के श्रमिकों एवं पंचायत के कार्मिकों का सकारात्मक सहयोग रहा है। ग्राम पंचायत की सरपंच लिछमा मेघवाल ने बताया कि आगामी समय में पंचायत द्वारा लगभग 2000 पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। निरीक्षण के दौरान लोकपाल (मनरेगा) ने ग्राम पंचायत के द्वारा वृक्षारोपण के करवाये गये कार्यो की सराहना की एवं कहा कि यदि सभी ग्राम पंचायतें अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प लेकर कार्य करेगी तो निश्चित तौर पर आगामी वर्षो में हरियालों राजस्थान बनाने की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। लोकपाल रेगर ने ग्राम पंचायत के कार्मिकों को वृक्षों की देखभाल करने एवं अधिक से अधिक पौधे लगाने हेतु प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत के मनरेगा योजनान्तर्गत किये गये कार्यो के रिकोर्ड की जॉच करने के उपरान्त ग्राम विकास अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मोके पर एडवोकेट कृष्ण मेघवाल, राकेश कुमार कल्ला, राजेन्द्र सिंह, विक्रम सिह, रामनिवास मेघवाल, पवन सिंह आदि मौजुद थे।

जरूरतमंद लोगों को राशन किट वितरित

तारानगर (निसं)। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ के जन्मदिवस पर सेवा सप्ताह के अंतर्गत तारानगर के युवा नेता अलबेला खान व उनके परिवार के सौजन्य से भाजपा नेता राकेश जांगिड़ व थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने कस्बे के झुग्गी झोंपडियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवार को राशन किट वितरित किये गए। उपस्थित लोगों ने राठौड़ के जन्म दिवस की बधाई देते हुए राठौड़ के उज्जवल भविष्य की कामना की। राकेश जांगिड़ ने कहा हम अलबेला परिवार का धन्यवाद ज्ञापित करते है जो गरीब परिवारों की मदद करने में हर समय तैयार रहते है हम मोहम्मद तैयब का भी आभार व्यक्त करते है जिन्होंने अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देकर मानवता की सेवा करने के लायक बनाया। इस मोके पर नगर अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल, जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद तैयब, अजीतसिँह राठौड़, शाबिर हुसैन, राजू नायक, जुल्फेकार हिसारिया, इलियास बिसायती, मोहम्मद खालिद, सांवरमल वाल्मीकि, मोहम्मद लतीफ, पंकज जांगिड़, मुस्ताक, सहित काफी लोग मौजूद रहे।

पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी हुई

झुंझुनूं, (निसं)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। काफी संख्या में प्रबुद्धजनों ने कार्यक्रम में भाग लिया। पर्यावरण बचाने के लिए एनवायरमेंट डिप्टी डायरेक्टर डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत ने धरती पर बढ़ रहे पॉल्यूशन घट रहे पेड़ और प्रचंड गर्मी सभी पर विस्तार से चर्चाएं की और उपस्थित सभी लोगों को जागरूक किया। सिंगल यूज प्लास्टिक को बंद किया जाए। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए जाए। बारिश के पानी को का संग्रह किया जाए। तभी जलस्तर बढ़ सकेगा। कार्यक्रम में संस्था संरक्षक डॉ. एसएन शुक्ला, डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत, डॉ. नरेंद्रसिंह नरूका, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुंदर जालान, रीजन सेक्रेटरी महेश कुमार मूंड, जोन चेयरमैन नागरमल जांगिड़, देवेंद्र कुमार गौड़, प्रदीप कुमार शुक्ला, जयप्रकाश शर्मा, सुमेरसिंह कर्णावत, अकराज कुरैशी, प्रमोद कुमार शर्मा काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका मंडल भादरा, जिला हनुमानगढ़ (राज.)

क्रमांकः-नपाभा/भूमि/2025-26/ दिनांक :-......

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री बलवान सिंह पुत्र श्री जगराम, कृष्णा पत्नी बलवान सिंह निवासी 12 डीपीएन, गोगामेड़ी तहसील भादरा जिला हनुमानगढ़ द्वारा वार्ड नं. 04 सरकारी हॉस्पिटल के पास चक 8 के मुरब्बा नं. 123 के किला नं. 1, 2 में 1416.34 वर्गफुट आवासीय भूखंड के संस्थानिक भू-उपयोग परिवर्तन के लिए पालिका में आवेदन किया गया है। इस पर किसी को कोई ऐतराज हो, तो 15 दिवस में कार्यालय समय में निम्नहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति मय सबूत प्रस्तुत करें। समय अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। सूचित रहें।

(पवन कुमार चौधरी) अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका भादरा

राजस्थान सरकार

कार्यालय नगरपरिषद सरदारशहर, चूरू (राज.)

क्रमांक :- न.प.स/ स्टोर शाखा/2025-26/181-84 दिनांक :- 21.04.2025

निविदा / निलामी सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण/इच्छुक फर्म/बोलीदाताओ/संवेदको को सूचित किया जाता है कि नगरपरिषद सरदारशहर द्वारा वर्ष 2025-26 में नगरपरिषद क्षेत्र में स्थित निजी भवन/भू-खण्ड एवं प्रतिष्ठानों पर विज्ञापन टैक्स वसूली हेतु ठेका /नीलामी दिनांक 30.04.2025 को समय दोपहर 12:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक नगरपरिषद मिटिंग हॉल में की जावेगी। इच्छुक व्यक्ति/फर्म निर्धारित समय पर उपस्थित होकर बोली में भाग ले सकते है। बोली में भाग लेने से पूर्व निर्धारित अमानत/धरोहर राशि नगरपरिषद कार्यालय में जमा करवानी होगी। निलामी से संबंधित शर्ते निलामी से पूर्व किसी भी कार्यादिवस में नगरपरिषद सरदारशहर कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

क्र. स.	कार्य का नाम	धरोहर राशि	न्यूनतम बोली	अवधि
1	नगरपरिषद क्षेत्र में निजी भवन/ प्रतिष्ठानों पर विज्ञापन टैक्स वसूली कार्य	25000	200000	वर्ष 2025 – 26

नोट :- निलामी ठेका स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार नगरपरिषद के पास सुरक्षित रहेगा।

राज.संवाद/सी/25/1165 सभापति आयुक्त

कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर लोगों में आक्रोश

रेवेन्यू बार के वकीलों ने कार्य बहिष्कार किया, जताया विरोध

अजमेर (कांस)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर बुधवार को रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर के वकीलों ने कार्य बहिष्कार कर विरोध जताया और जिला कलेक्टर लोकबंधु को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से आतंकवादियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की मांग की। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन ने हमले की निंदा करते हुए गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग की तथा पूर्व आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ ने भी आतंकी हमले की निंदा कर मृतकों की आत्मशांति के लिए प्रार्थना व परिजन को अपने संवेदना प्रकट की। भाजपाइयों ने आतंकियों के इस कृत्य की निंदा की।

अजमेर में रेवेन्यू बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

- भाजपा-कांग्रेसियों ने की हमले की निंदा
- आतंकियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

रेवेन्यू बार ने की केंद्र सरकार से कार्यवाही की मांग : राजस्थान रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजावत के नेतृत्व में बुधवार को वकीलों ने जिला कलेक्टर लोकबंधु को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा। कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष राजावत सहित वकीलों ने कहा कि यह शर्मनाक हमला देश की आत्मा पर है। उन्होंने हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। आतंकी हमले में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 से अधिक लोग घायल हैं। मृतकों में उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और उड़ीसा के पर्यटक शामिल हैं।

शहर कांग्रेस कमेटी ने की निंदा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने निंदा की है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन और प्रवक्ता अंकुर त्यागी ने कहा कि ये घटना दिल दहला देने वाली है। पर्यटकों पर कायराना आतंकी हमले की खबर अत्यंत दुखद एवं शर्मनाक है। ऐसे कृत्यों की जितने कठोर शब्दों में निंदा की जाएए कम है। हमले में कई लोगों के हताहत होने की सूचना पीड़ादायक है, शोकाकुल परिवारजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। जैन ने कहा पहलगाम हमला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की नीतियों के असफल होने का परिणाम है। गृहमंत्री होने के नाते शाह बड़े दावों के बावजूद कश्मीर में सुरक्षा देने में असफल रहे। उन्होंने अपना पूरा समय 365 दिन क्षेत्रीय दलों को तोडने की साजिश में लगा दिया। उन्हें पद से इस्तीक्ता देना चाहिए।

भाजपाई ने आतंकी हमले की निंदा : विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जैन समाज के कार्यक्रम में जैन आचार्य वसुनंदी महाराज से आशीर्वाद लेते हुए मंच से कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि कश्मीर का एक शांत और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऐसे स्थान तक आतंकियों की पहुंच और वहां मौजूद निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया जाना उनके मंसूबों को दर्शाता है। आतंकियों का मकसद देशभर में भय और अस्थिरता फैलाना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हिंसा और सोच से मुक्ति केवल जैन धर्म के अहिंसा मार्ग पर चलकर ही संभव है। विधायक अनिता भदेल ने भी आतंकी हमले की निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमितशाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से आतंकियों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही करने की बात कही। भदेल ने मृतक के परिजन के प्रति अपनी संवेदना भी प्रकट की।

कुएं में गिरे लेपर्ड व जंगली सुअर

सुअर कुएं में गिर गया तो उसका पीछा कर रहा लेपर्ड भी कुएं में गिरा गया

सुअर का शिकार करने के दौरान लेपर्ड भी कुएं में गिर गया।

- शिकार के दौरान हुआ हादसा, रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची
- कुएं में 2 फीट तक ही पानी भरा हुआ था। जिससे दोनों सुरक्षित थे। लोगों ने सूअर का शिकार करते समय पीछे भागने से दोनों के कुएं में गिरने का आशंका जताई है।

डूंगरपुर। वरदा थाना क्षेत्र के आंतरी गांव में शिकार के चक्कर में एक शिकारी खुद भी फंस गया। एक लेपर्ड सूअर का शिकार करने के लिए पीछे दौडा। इस दौरान सुअर कुएं में गिर गया तो उसका पीछा कर रहा लेपर्ड भी कुएं में गिरा गया।

दोनों कुएं में पानी के होने से सुरक्षित हैं। वन विभाग की टीम अब दोनों को कुएं से बाहर निकालकर रेस्क्यू के प्रयास कर रही है। वहीं एक ही कुएं में लेपर्ड और सुअर के गिरने के बाद लोगों की भीड जमा हो गई। वरदा थाना क्षेत्र के आतरी गांव में हनुमान मंदिर के पीछे एक कुआं स्थित है। कुएं में से बुधवार सुबह लेपर्ड के दहाडने की आवाजें लोगों को सुनाई दी। जिस पर लोगों ने कुएं के पास जाकर देखा तो कुएं में एक लेपर्ड और एक सुअर गिरा हुआ था। कुएं में 2 फीट तक ही पानी भरा हुआ था।

श्रमिक ने की आत्महत्या

उदयपुर,। शहर के सुखेर थाना क्षैत्र में श्रमिक ने मकान में फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार परावन भीण्ड एमपी हॉल चित्रकूटनगर भुवाणा निवासी रामदुनी (41) पुत्र भूरेसिंह ने मीरा नगर स्थित निर्माणाधीन मकान पर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। रामदुनी मीरा नगर स्थित निर्माणाधीन मकान पर पेंटींग का काम कर रहा था। जहां उसने मंगलवार सांय फांसी लगा ली। इसका पता चलने पर साथी श्रमिक उसे निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर सुखेर थाना एएसआई रघुवीरसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

विधायक पुत्र ने पुलिस कर्मियों को पीटा, फोन छीने, तोड़फोड़ की

पावटा । आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर कोटपुतली विधायक पुत्र ने बदमाशों के साथ घुसकर आबकारी पुलिस कर्मियों पर हमला कर दिया। वही आबकारी थाना प्रागपुरा में तोड़फोड़ कर आबकारी पुलिस कर्मियों के मोबाइल फोन छीन अपने साथी को छुड़ा ले गया। जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह मय लक्ष्मण सिपाही, पतराम सिपाही, जगदीश जमादार, भूपसिंह यादव सिपाही ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। जिस पर कोटपुतली विधायक पुत्र व बदमाशो की गिरफ्तारी के लिए प्रागपुरा थाना पुलिस छापेमारी कर रही है। जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कल शाम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ढाढा तिराहा गौ शाला के पास एक जेपी योगी नाम का आदमी अवैध शराब बिक्री कर रहा है। जिस पर उसको पकड़ने के लिए पतराम सिपाही को सिविल ड्रेस में वहां भेजा गया। जहां उक्त आदमी एक गत्ते के कार्टून में अवैध शराब बेचता नजर आया जिसकी सूचना पतराम सिपाही ने जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह को दी। पदम सिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तो अवैध शराब बेचने वाला आदमी पुलिस को देख भागने लगा। लेकिन उसे पकड़ लिया गया व रात करीब 8 बजे प्रागपुरा थाना ले आए। तभी कोटपुतली विधायक पुत्र पंकज पटेल का जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह के पास फोन आया। जिस पर सिपाही पतराम ने उससे बात करने के लिए कहा तो पंकज पटेल ने उससे गाली गलौच करने लगा। जिस पर उससे फोन लेकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह ने बात की तो उसे भी वह ट्रांसफर करने की धमकी देकर गाली गलौच करने लगा। वही थोड़ी देर बाद ही 5-6 गाड़ियों में 40-50 लोग सवार होकर आए व आबकारी थाना प्रागपुरा में घुसकर आबकारी पुलिसकर्मियों से मारपीट करने लगे व उनके फोन छीन लिए व आबकारी थाने में तोड़फोड़ शुरू कर दी। जिस पर भीड़ का फायदा उठाकर जमादार आबकारी थाना प्रागपुरा पदम सिंह प्रागपुरा थाना पहुंच गया व जाप्ता लेकर आबकारी थाना प्रागपुरा पहुंचा तो पुलिस जाप्ता देखकर मौके पर मोबाइल फेंककर अवैध शराब बेचते जिस आरोपी को गिरफ्तार किया था, उसे गाड़ी में बिठाकर फरार हो गए। जिस पर चोटग्रस्त जाप्ते का मेडिकल करवाने व राजकार्यों में बाधा डालने का मामला दर्ज करवाया गया है। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने अपराध धारा182(2), 121(1), 132,333, 351(3), 221, 262, 263(क) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

अवैध शराब से भरी कार जब्त

उदयपुर,। टीडी थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध शराब से भरी कार को जब्त कार चालक को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठौड़ के सुपरविजन में टीडी थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने 22 अप्रेल को गश्त के दौरान उदयपुर से अहमदाबाद जाने वाले रोड़ पर कार को रोक तलाशी ली तो उसमें 4 कर्टन अवैध शराब के पाए गए। इस पर शराब सहित कार जब्त कर चालक पीपलली बी फला बाव ऋषभदेव निवासी ईश्वरालाल पुत्र धुलाराम को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

लोडिया तालाब में डूबा विमंदित बालक

रोते हुए मां बोली- रस्सी से पैर बांध रखा था

- पुलिस के नेतृत्व में एक टीम ने मासूम की तलाश में तालाब में रेस्क्यू चलाया

पाली, (नि.सं.)। पाली में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ। 5 बहनों का इकलौता 16 साल का भाई तालाब में डूब गया। घटना के बाद से मासूम के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वही पुलिस के नेतृत्व में एक टीम मासूम की तलाश में तालाब में रेस्क्यू चला रही है लेकिन फिलहाल उसका कोई पता नहीं चला है।

घटना बुधवार सुबह करीब 11 बजे पाली शहर के औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र में पांच मौखा पुलिया डम्पिंग यार्ड के सामने लोडिया तालाब में हुई। यूपी के देविहाना पोस्ट कुम्भी, खीरी (मोहम्मदी) लेखराज फकीर अपनी पत्नी और 5 बेटियों ओर 1 बेटे के साथ यहां झोपड़ी बनाकर अस्थाई रूप से खुले मैदान में रहता है। उसका परिवार यहां राशियों के नगर गली-मोहल्ले में जाकर बेचने का काम करता है और दिव्यांग होने के चलते वह मोहल्लों में जाकर भीख मांगकर अपने परिवार का गुजारा चलाता है।

हमेशा की तरह बुधवार सुबह भी वह घर से निकल गया। उसकी पत्नी अनिति बेटी के पैर में लगी होने के चलते दवा लेने गई थी।

जाने से पहले उसने अपने 16 साल के विमंदित बेटे मतलुम का एक पैर रस्सी से बांधकर एक खूंटे से बांध दिया था लेकिन पीछे से उसने झोपड़ी में रखे चाकू से रस्सी काटी और शर्ट खोलकर लोडिया तालाब में नहाने उतर गया। मासूम की मां अनिति का कहना है कि उसे तैरना नहीं आता था वह जन्म से विमंदित था समय पर मदद नहीं मिलने से वह डूब गया।

सूचना पर औद्योगिक नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाया। जो सुबह 11 बजे से तालाब में उसका रेस्क्यू कर रही है लेकिन शाम चार बजे तक उसका कोई पता नहीं लगा। जबकि परिजनों का कहना है कि वह तालाब में डूबा है।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 113 वें दिन भी अनवरत जारी

शाहपुरा । जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर गो सेवक दल युवा परिषद शाहपुरा के सदस्य शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को दिया। गौ सेवक दल युवा परिषद शाहपुरा के सदस्य विश्व हिंदू परिषद एवं गौ सेवक रामेश्वर लाल धाकड के नेतृत्व में राजेंद्र पांडे उदयलाल धाकड़ नारायण साहू मुकेश प्रजापत हनुमान धाकड़ प्रहलाद सनाढय राजू कहार जुगल किशोर सुनील माली भगवान धाकड़ पंकज कहार रामदेव कहार द्वारका प्रसाद जाट छोटू लाल मोडूलाल गुर्जर सत्यनारायण शर्मा विनोद वैष्णव राजाराम वैष्णव सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठे। जिनका संघर्ष समिति की ओर से अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा के नेतृत्व में सदस्यों ने धरने पर बैठे गौ सेवक दल के सदस्यों का माला पहनकर स्वागत किया गया। धरने को गौ सेवक दल शाहपुरा के सदस्य रामेश्वर लाल धाकड़ राजेंद्र पांडे प्रहलाद सनाढय संघर्ष समिति संयोजक रामप्रसाद जाट ,महासचिव कमलेश मुंडेतिया सदस्य उदय लाल बेरवा ने संबोधित करते हुए

- जिला समाप्त करने के विरोध में क्रमिक अनशन धरने पर गौ सेवक दल शाहपुरा के सदस्य बैठे

उदयपुर में मकान से सामान चोरी किया

उदयपुर,। मकान मालिक ने किराएदार के खिलाफ सामान चुरा ले जाने का प्रकरण भुपालपुरा थाना पुलिस ने दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित पोन्नाम्मा कोशी पत्नी थामस कोशी निवासी कुशाल बाग रोड़ केशव नगर ने आरोपी नरपत कुमार सोलंकी पुत्र गणेशाराम निवासी जोखास रानीवाड़ा जालोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि आरोपी को मेरे मकान पर किराए पर रूम दिए थे। गत दिनों मैं बाइक गई थी। वापस 16 अप्रेल को लौटी तो मकान से घरेलू सामान व गिफ्ट आईटम गायब थे। इस पर आरोपी से संपर्क किया तो वह नहीं मिला। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मण्डावर में भालुओं के हमले में एक घायल

- क्षेत्र में पैंथर के मूवमेंट के बाद भालुओं के हमले से ग्रामवासियों में दहशत का माहौल
- सरपंच प्यारी कुमारी ने वन विभाग को कार्यवाही करने व ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की

देवगढ़ , (निसं)। राजसमन्द जिले के भीम उपखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत मण्डावर के मुख्यालय पर आबादी क्षेत्र में प्रात: 6 बजे दो भालुओं ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। अकस्मात हमले में संघर्ष के दौरान पीथड़ा खजुरिया निवासी नारायण सिंह (43) पुत्र सोहन सिंह गंभीर घायल हो गया।

जिसके सिर में 30 टांके आए दोनों हथेलियां पर गंभीर चोटें आई बगल में पीठ पर पैर सहित पूरे शरीर पर कई चोट खंरोच, संघर्ष के निशान लगे हैं। हमले में बचाव के दौरान उनके भाई भंवर सिंह को भी चोटें आई है। गंभीर घायलावस्था में निकटवर्ती देवगढ़ राजकीय चिकित्सालय में उपचार करवाया उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

हमले से दोनों भाई नारायण सिंह ,भंवर सिंह व उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में आ गया है ।

मण्डावर सरपंच (प्रशासक) प्यारी कुमारी ने बताया कि पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को पहले से ही पैंथर के मूवमेंट से डरावना था अब भालुओं के हमले बाद ग्रामीणों में खोंफ बन गया है।वन विभाग को जंगली जानवरो के आबादी इलाके में हो रहे मूवमेंट को रोकने के लिये कठोर कार्यवाही करने की सूचना दी गई है।जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल नही रहे।

ग्रामीणों से अपील की है कि शाम के समय, रात्रि के समय व प्रात:कालीन वेला में थोडी सावधानी बरतें। हाथ मे सुरक्षा की दृष्टि से लाठी रखें। अकेले पैदल नही घूमने की हिदायत दी गई है।

नहरों की मरम्मत नहीं कराएगा पंजाब, फिर भी 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी

- वजह-केन्द्र सरकार की लेटलतीफी

बीकानेर, 5 अप्रैल से आंशिक नहरबंदी शुरू होकर 21 अप्रैल को खत्म हो गई। टोटल 46 दिन की नहरबंदी होगी। इसलिए 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी भी शुरू हो गई जो 20 मई तक चलेगी। राजस्थान को नोटिफिकेशन पूर्ण नहरबंदी शुरू होने के बाद दिया गया। 21 को हरिके से पानी पूरी तरह बंद हो गया। चौंकाने वाली बात ये है कि इस पूर्ण नहरबंदी में भी पंजाब नहरों की मरम्मत नहीं कराएगा। इसलिए ये वेवजह की नहरबंदी है जिसकी परेशानी पश्चिमी राजस्थान के ढ ाई करोड़ लोगों को भुगतनी होगी।

पंजाब सीमा में आने वाली 112 किमी लंबी इंदिरा गांधी नहर की मरम्मत के लिए 2024 को छोड़ बीते 3 सालों से 60 से 70 दिन की नहरबंदी होती है। इसमें 30 दिन की आंशिक और 30 दिन की पूर्ण नहरबंदी होती रही है। आंशिक नहरबंदी के दौरान भी राजस्थान को पानी सरहिंद फीडर से दिया जाता था। इसलिए पंजाब को नहरों पर काम करने के लिए पूरे 60 दिन मिल जाते थे। इस बार मरम्मत काम, नहरों की री-लाइनिंग के कामों के जी शिडयूल में राजस्थान सरकार ने कुछ बदलाव करने के लिए केन्द्र सरकार को एप्रूवल के लिए प्रस्ताव भेजा। इसकी स्वीकृति केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय को देनी थी। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय ने इसकी मंजूरी अप्रैल के पहले सप्ताह में दी। उसके बाद नहरबंदी की योजना बनी। क्योंकि आंशिक नहरबंदी के दिन बीत चुके थे। इसलिए अब सिर्फ पूर्ण नहरबंदी का समय बचा इसलिए इस साल पंजाब समय कम होने के कारण मरम्मत नहीं कराएगा। इसलिए ये नहरबंदी वेवजह की है।

इंदिरा गांधी नहर में वर्ष 1961 में जलापूर्ति शुरू हुई थी। इसके बाद कभी रिलाइनिंग का काम नहीं हुआ। इस कारण 18 हजार क्षमता वाली इस नहर में अब 9 हजार क्यूसेक पानी झेलने की ताकत नहीं रही। 2021 को आरडी 433 पर लाइनिंग धंस गई थी। 1 फरवरी को आरडी 383 पर लाइनिंग धंस गई। नहर को ठीक कराने के लिए 2019 में पंजाब, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच समझौता हुआ जिसमें पंजाब सीमा में आने वाली 112 किमी नहर की मरम्मत का काम 2020 में शुरू होकर 2022 में खत्म होना था।

2020 में पंजाब समय पर टेंडर नहीं कर पाया। 2021 में टेंडर हुए तो कोरोना के कारण काम नहीं हुआ। 2020 और 2023 में काम हुआ। 2024 में लोकसभा चुनाव में वोटों का नुकसान ना हो इसलिए नहरबंदी नहीं हुई। 112 किमी में अब सिर्फ 16 किमी की मरम्मत बची है। करीब 96 किमी नहर की मरम्मत हो चुकी है। इस पूर्ण नहरबंदी होने के बाद भी मरम्मत काम नहीं होगा। मतलब साफ है कि 2026 में भी 60 दिनों की नहरबंदी होनी तय है। इंदिरा गांधी नहर में 18000 क्यूसेक पानी लेने की क्षमता है। अभी 10 हजार से ज्यादा पानी लेना मुश्किल होता है। पंजाब नहीं चाहता कि राजस्थान की नहर में 18000 क्यूसेक पानी दिया जाए।

पुष्कर के वन क्षेत्र डाले गए कचरे के ढेर में लगी आग

पुष्कर, । अजमेर की तीर्थ नगरी पुष्कर में बुधवार को उस समय हडकंप मच गया, जब पुष्कर के खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्रों में होटल रिजॉर्ट व सिलाई फैक्ट्रियों द्वारा डाले गए कचरे के ढेर लगी आग वन क्षेत्र में फैल गई। स्थानीय लोगों व नगर परिषद की सतर्कता के चलते आग पर काबू पा लिया गया, अन्यथा बड़ा अग्निकांड हो सकता था। वहीं कोबरा टीम ने वन्य जीवों के मरने की अभी कोई पुष्टि नहीं की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पुष्कर के कोबरा टीम के सुखदेव भट्ट ने बताया कि खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्र में होटलों व रिसोर्ट से डाले गए कचरे के ढेर में बुधवार सुबह आग लगने की सूचना मिली थी, जिस पर वह अपने सहयोगियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की सहायता से आग पर काबू पाने के प्रयास किए तथा सूचना जिला व पुलिस प्रशासन दी गई।

सूचना मिलते ही मौके पर वन विभाग के जितेंद्र भड़ाना व नगर परिषद का अग्निशमन वाहन पहुंचे और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया, लेकिन इस बीच कई पेड़ जल गए।

पुष्कर जी के वन क्षेत्र में लगी आग के बाद दमकल कर्मियों ने आग को बुझाया ।

- बड़ी हानि टली, वन्य जीवों के मरने की नहीं हुई पुष्टि
- पुष्कर के कोबरा टीम के सुखदेव भट्ट ने बताया कि खरेकड़ी रोड के वन क्षेत्र में आग लगी

वन क्षेत्र में डाला जाता है वेस्ट : वन विभाग के अधिकारी जितेंद्र भडाना ने बताया कि पुष्कर कस्बे के होटल, रिजॉर्ट व कपड़ा फैक्ट्री से निकलने वाला वेस्टेज कचरा वन क्षेत्र में डाला जाता हैं, जिससे पर्यावरण के साथ वन्य जीवों के लिए खतरा बना हुआ है।

आगजनी जैसी घटनाओं से वन्य जीवों का संकट का खतरा बना रहता है। आगजनी में कितने वन्य जीव जलकर मर गए, इसकी वन विभाग कोई पुष्टि नहीं की हैं, लेकिन कोबरा टीम के भट्ट ने पुलिस व प्रशासन से घटना को गंभीरता से लेकर जांच कर कार्यवाही की मांग की है।

साथ ही उन्होंने वन क्षेत्रों को कचरा पात्र बनाने वाले रिजॉर्ट, होटल व सिलाई फैक्ट्रियों के मालिकों से कचरा न डालने की अपील की है।

बदमाशों ने रिसोर्ट मालिक को बनाया बंधक

अजमेर, (कांस)। शहर में बेखौफ बदमाशों ने गंज थाना क्षेत्र में देर रात लूट की वारदात अंजाम देकर फरार हो गए। छह-सात बदमाशों ने एक रिसोर्ट में घुसकर मालिक को बंधक बनाया मारपीट कर नगदी सहित मोबाइल लूट कर फरार हो गए। पीडित रिसोर्ट मालिक ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंज थाना पुलिस के अनुसार फॉयसागर रोड निवासी कैलाश चंद शर्मा ने थाने पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ जानलेवा हमला करने सहित नगदी व मोबाइल लूट ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीडित रिसोर्ट मालिक शर्मा ने बताया कि उनका खड़ेखरी पुष्कर बाईपास पर रिसोर्ट है।

उक्त रिसोर्ट को उनका पुत्र संभालता है। रिसोर्ट के चौकीदार के छुट्टी पर जाने के कारण वह रिसोर्ट में सोने के लिए गया था, तभी देर रात 12 से 1 बजे के बीच 6 से 7 बदमाश रिसोर्ट का गेट कूद कर अंदर दाखिल हुए। बदमाशों में कमरे का गेट बजाया, जैसे ही गेट खोला बदमाशों ने सरिया से हमला कर दिया।

- नगदी व मोबाइल लूट कर हुए फरार
- पीड़ित ने पुलिस में कराया मुकदमा दर्ज
- बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस
- बाद में 10 हजार नकदी सहित कीमती मोबाइल छीन कर हाथ पैर बांधकर फरार हो गए

बाद में 10 हजार नकदी सहित कीमती मोबाइल छीन कर हाथ पैर बांधकर फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि मारपीट के चलते वह बेहोश हो गया था। जब होश आया तो उन्होंने अपने सामने वाली फैक्ट्री के चौकीदार आवाज देकर बुलाकर मदद मांगी थी।

रिसोर्ट मलिक की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस रिसोर्ट सहित आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है।

पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नीरज उधवानी की पार्थिव देह जयपुर लाई गई

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सीए नीरज उधवानी की पार्थिव देह बुधवार रात जयपुर लाई गई। एयरपोर्ट पर केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में जयपुर वासियों ने नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राठौड़ ने कहा कि जिस क्रूरता से बेगुनाहों को धर्म पूछकर मारा गया, उसने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार इस जघन्य कृत्य के विरुद्ध कड़ा निर्णय लेगी जिससे पूरी दुनिया को यह संदेश जाएगा कि ऐसा कायराना हमला करने का क्या परिणाम होता है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया है कि देश की शांति को भंग करने वाले इस जघन्य और कायरतापूर्ण अपराध के लिए जो भी जिम्मेदार है और जो पर्दे के पीछे से इसमें शामिल हैं, उनको बख्शा नहीं जायेगा।

आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सी.ए.नीरज उधवानी की पार्थिव देह को जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ सहित अन्य नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की।

> ■ 'केन्द्र सरकार इस जघन्य कृत्य के विरुद्ध कड़ा निर्णय लेगी जिससे पूरी दुनिया को यह संदेश जाएगा कि ऐसा कायराना हमला करने का क्या परिणाम होता है'

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने इस हमले को अत्यंत निंदनीय करार देते हुए कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर किया गया यह आतंकी हमला कायरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दु:खद घड़ी में शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी।

जिला कलैक्टर के आदेश हवा : भीषण गर्मी व तेज़ धूप के कारण जिला कलैक्टर ने सभी स्कूलों में छोटे बच्चों को राहत देते हुए साढ़े ग्यारह तक छुट्टी करने के आदेश दिये लेकिन निजी स्कूल आदेश को नज़र अंदाज़ कर बच्चों को तपती दोपहर में 12 बजे बाद घर जाने को भेज रहे।

विधान मंडलों की समितियों के अध्ययन भ्रमण नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल : वासुदेव देवनानी

जयपुर। केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति ने बुधवार को राजस्थान विधान सभा का अध्ययन भ्रमण किया। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने समिति के सभापति और सदस्यों का स्वागत किया। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा आये केरल की समिति के सभापति को विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल समिति के सभापति ने अध्यक्ष देवनानी को शाल एवं केरल विधान सभा का साहित्य भेंट किया। केरल की इस समिति के सदस्यों के साथ देवनानी ने दोनों राज्यों की विधायी व्यवस्थाओं और परंपराओं पर चर्चा की। श्री देवनानी राजस्थान विधानसभा में किए गए नवाचारों की जानकारी दी। केरल की समिति के सदस्यों ने राजस्थान विधानसभा में किए गए विधायी नवाचारों को बेहतर बताया। देवनानी ने कहा कि देश की विभिन्न राज्यों की विधान मंडलों की समितियो के अध्ययन भ्रमण से विधान मंडलों की कार्य प्रणाली और विधायी प्रक्रियाओं में किए जा रहे नवाचारों को साझा करने की अभिनव पहल है।

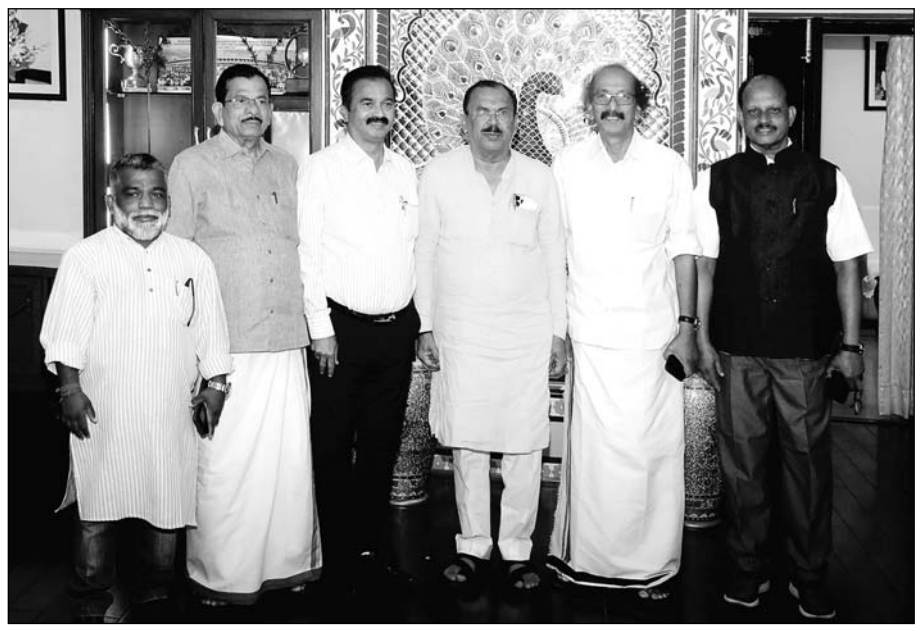

केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति ने राजस्थान विधानसभा का अध्ययन भ्रमण किया।

केरल विधान सभा की वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण संबंधी समिति के अध्यक्ष के.पी. कुन्हम्मदकुट्टी मास्टर के नेतृत्व में समिति के सदस्य अहमद देवरकोइल, जॉब माइकल और माम्मीकुट्टी. पी ने राजस्थान विधान सभा प्रक्रियाओं, कार्यप्रणाली एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया। समिति ने विधान सभा का सदन, भवन और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन किया।

बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर अवैध परिवहन को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने दौसा जिले के बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर अवैध वाहनों के संचालन को लेकर परिवहन सचिव, आयुक्त, स्थानीय कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और जिला परिवहन अधिकारी सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश मिनी बस यूनियन, बांदीकुई के महासचिव कुलदीप सिंह यादव की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता उमेश व्यास ने बताया कि याचिकाकर्ता यूनियन के सदस्यों ने बांदीकुई से मेहंदीपुर बालाजी रूट पर वाहन चलाने के लिए परिवहन विभाग से परमिट ले रखा है। इसके तहत उन्हें इस रूट पर बस और अन्य वाहन चलाने की मंजूरी मिली हुई है। याचिका में कहा गया कि विगत कुछ माह से इस रूट पर अवैध वाहनों का संचालन बढ गया है। कई लोग निजी वाहनों में भी सवारियां ढो रहे हैं। वहीं कई वाहन बिना परमिट और क्षमता से अधिक सवारियों का परिवहन कर रहे हैं। इन वाहन संचालकों के पास परिवहन विभाग से वाहन चलाने की अनुमति नहीं है।

तीसरी संतान के कारण एसीपी का लाभ वापस लेने और रिकवरी करने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीसरी संतान होने के आधार पर कॉलेज शिक्षा विभाग के अधिकारी को पूर्व में दिए चयनित वेतनमान का लाभ वापस लेकर उसे तय समय के पांच साल बाद देने और इस अवधि में दी गई राशि की वसूली के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में कॉलेज शिक्षा आयुक्त सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश राजकुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अप्रैल, 2000 में कॉलेज शिक्षा विभाग में लिपिक नियुक्त हुआ था। उसकी नौ साल की सेवा पूरी होने पर उसे जून, 2010 में चयनित वेतनमान का लाभ दिया गया और मई, 2015 में उसे वरिष्ठ सहायक के तौर पर पदोन्नत किया गया। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने अक्टूबर, 2015 में एक परिपत्र जारी कर प्रावधान किया कि किसी भी कर्मचारी के दो से अधिक संतान होने पर उसे चयनित वेतनमान तय तिथि से पांच साल बाद दिया जाए। राज्य सरकार ने मई, 2024 में आदेश जारी कर उसे साल 2010 में दी गई एसीपी को निरस्त कर उसे साल 2015 से देने के आदेश दिए। इसके साथ ही इन पांच सालों में दिए गए भुगतान को अधिक बताकर उसकी रिकवरी निकाल दी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि एसीपी निरस्त करने के आदेश से पूर्व न तो याचिकाकर्ता को नोटिस दिया गया और ना ही उसे सुनवाई का मौका मिला। वहीं उसे एसीपी का लाभ देते समय संबंधित परिपत्र अस्तित्व में ही नहीं था। ऐसे में परिपत्र को भूतलक्षी प्रभाव से लागू नहीं किया जा सकता। इसके अलावा राज्य सरकार स्वयं की पूर्व दो से अधिक संतान होने पर एसीपी के लाभ को पांच के बजाए तीन साल रोकने का परिपत्र जारी कर चुकी है। वही राज्य सरकार ने हाल ही में एक अन्य परिपत्र जारी कर प्रावधान किया है कि तीसरी संतान के आधार पर किसी कर्मचारी की एसीपी नहीं रोकी जाएगी। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने एसीपी रोकने और रिकवरी के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

रिटायर कर्मचारी को आरजीएचएस स्कीम का लाभ देने के आदेश

जयपुर। हाईकोर्ट ने आरएसआरटीसी से रिटायर हुए कर्मचारी को आरजीएचएस स्कीम का लाभ देने का निर्देश देते हुए विभाग को कहा है कि वह 30 दिन में प्रार्थी के ब्लॉक किए गए कार्ड को भी एक्टिव करे। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह निर्देश भादरमल सैनी की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि रिटायर कर्मचारी के कार्ड को आरएसआरटीसी की ओर से ब्लॉक करना मनमाना है।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने बताया कि राज्य सरकार ने साल 2021 में राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए कैश-लेस हेल्थ स्कीम शुरू की और बाद में इसे पेंशनर्स पर भी लागू किया। वहीं 19 जनवरी 2023 के आदेश से आरएसआरटीसी के रिटायर कार्मिकों को भी इस स्कीम के दायरे में लाया गया। प्रार्थी ने भी मई 2022 से नवंबर 2022 के दौरान कैश-लेस स्कीम का लाभ लिया, लेकिन विभाग ने इसे गलत बताते हुए प्रार्थी को 5,15,939 रुपए जमा करवाने के लिए कहा। रोडवेज प्रबंधन की कार्रवाई को प्रार्थी ने जब हाईकोर्ट में चुनौती दी तो उसका आरजीएसएच कार्ड ही ब्लॉक कर दिया गया।

पहलगांव में आतंकी हमला कायरतापूर्ण : डॉ. पूनिया

जयपुर। पहलगाम में कायराना आतंकी वारदात को लेकर भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने बयान जारी कर कहा कि, जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमला कायरतापूर्ण और निंदनीय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में भारत सरकार तथा भारत की सेना देश की एकता, अखंडता, सुरक्षा, मजबूती एवं स्वाभिमान के लिये प्रतिबद्ध है, जो आतंकवादियों, आतंकी सरगनाओं और हर आतंकी वारदात का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है और प्रत्येक भारतीय नागरिक की सुरक्षा मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। पहलगाम आतंकी हमले के दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि और पीड़ित परिवारजनों को ईश्वर से संबल प्रदान करने एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। देश एवं नागरिकों की सुरक्षा मोदी सरकार के लिए प्राथमिकता है, इस कायराना आतंकी वारदात में शामिल किसी भी आतंकी को बक्शा नहीं जाएगा, यह प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री ने देश को आश्वस्त किया है, इससे पहले भी मोदी सरकार के नेतृत्व में देश के बॉर्डर से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक तक आतंकियों को ठिकाने लगाने में भारत की बहादुर सेना ने तत्परता दिखाई।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को अमानवीय कृत्य बताया है। उन्होंने कहा है कि यह मानवता के सिद्धांतों पर कायराना प्रहार है। देवनानी ने कहा है कि इस कायराना हमले में जयपुर के नीरज उधवानी सहित अनेक लोगों की मृत्यु पीड़ादायक है। इस हमले में जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति देवनानी ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

भारत में आर्मेनिया के राजदूत ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से की भेंट

जयपुर। भारत में आर्मेनिया के राजदूत वाहान आफयान ने बुधवार को उद्योग भवन में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से भेंट की। इस अवसर पर आफयान ने प्रदेश में आयोजित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के सफल क्रियान्वयन के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी।

इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ने वैश्विक मंच पर राजस्थान की उद्यमशीलता और नवाचार की क्षमता को प्रदर्शित किया है। कर्नल राठौड़ ने आर्मेनिया के साथ स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की शासन सचिव एवं आयुक्त भी उपस्थित थीं।

बाल अधिकारों के संरक्षण के लिये कार्यशाला आज

जयपुर। बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता विभाग कुलदीप रांका ने बताया कि उपमुख्यमंत्री एवं बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी तथा बाल अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार की उपस्थिति में राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बाल अधिकारों के संरक्षण के संबंध में एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला गुरूवार को इन्दिरा गांधी पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित होगी। उक्त कार्यशाला के अन्तर्गत बाल अधिकारों के संबंध में विभिन्न मुद्दों यथा बाल शोषण (पॉक्सो), बालश्रम, बाल स्वास्थ्य, जेजे एक्ट, बाल विवाह इत्यादि पर चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 17 के तहत एक सांविधिक निकाय होने के नाते राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग अपने गठन की सार्थकता को सिद्ध करते हुए विभिन्न अधिनियमों के तहत प्रदेश में बच्चों के अधिकारों की निगरानी, संरक्षण और संवर्धन के लिए पूर्ण निष्ठा एंव समर्पण भाव से निरंतर उत्साहपूर्वक कार्यरत है।

आयोग का प्रयास है कि बच्चों की आवाज को प्राथमिकता एवं ईमानदारी के साथ प्रत्येक स्तर पर सुना जा सके एवं सभी बच्चे अपना जीवन सम्मान के साथ जी सके। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग राज्य में बच्चों हेतु मैत्रीपूर्ण वातावरण का निर्माण करने हेतु प्रयासरत है, ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके, तथा बच्चों एवं देश का भविष्य उज्ज्वल हो सके।

कार्यशाला में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, बाल अधिकारिता विभाग, बाल कल्याण समिति, शिक्षा विभाग, समेकित बाल विकास सेवाएं के विभिन्न अधिकारी सम्मिलित होंगे।

डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी को डॉ. एस. राधाकृष्णन पुरस्कार

जयपुर। विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर के विधि विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी को शोध प्रयास 2025-रिसर्च कॉन्क्लेव के समापन समारोह के अवसर पर प्रतिष्ठित डॉ. एस. राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें विधि शिक्षा में उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र मार्गदर्शन और उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रदान किया गया।

डॉ.शिल्पा राव रस्तोगी

इसके अतिरिक्त, डॉ. रस्तोगी को विश्वविद्यालय के शोध क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए शोध प्रोत्साहन भी प्रदान किया गया। उनके निरंतर प्रयासों ने विशेष रूप से विधिक अध्ययन के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के शैक्षिणक और शोध वातावरण को समृद्ध किया है। यह सम्मान प्रो. (डॉ.) एन.डी. माथुर (प्रेसिडेंट), प्रो. (डॉ.) डी.वी.एस. भगवानुलु (प्रो-प्रेसिडेंट), डॉ. प्रवीण चौधरी (रजिस्ट्रार), एवं डॉ. अमनदीप गिल (डीन - अनुसंधान एवं विकास) की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किए गए। नेशनल लॉ इंस्टिट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू), भोपाल की पूर्व छात्रा, डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी ने मानवाधिकार एवं अंतरराष्ट्रीय कानून में एलएल.एम. तथा भारत में लैंगिक पहचान और यौन अभिविन्यास के मुद्दों पर पीएच.डी. प्राप्त की है। विधिक अकादमिक क्षेत्र में दस वर्षों से अधिक अनुभव रखने वाली डॉ. रस्तोगी को उनके विद्वत्तापूर्ण कार्य, शिक्षण में समर्पण तथा अगली पीढ़ी के विधिक पेशेवरों के मार्गदर्शन में उनके नेतृत्व के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है।

'जूनियर लीगल ऑफिसर पद पर नियुक्ति देने पर विचार करे हाउसिंग बोर्ड'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाउसिंग बोर्ड की जूनियर लीगल ऑफिसर भर्ती-2023 के मामले में याचिकाकर्ता को ओबीसी श्रेणी में सभी परिलाभ सहित नियुक्ति देने पर विचार करने के लिए कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश जसलोक यादव की याचिका को मंजूर करते हुए दिया।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता कुणाल रावत ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड ने साल 2023 में जूनियर लीगल ऑफिसर के पद की भर्ती निकाली थी। इसमें याचिकाकर्ता ने भी भाग लिया और ओबीसी श्रेणी में 60 फीसदी अंक लाकर परीक्षा पास की। इसके बावजूद विभाग ने ओबीसी श्रेणी में याचिकाकर्ता का चयन और नियुक्ति देने की बजाय सामान्य वर्ग के अभ्यर्थी का चयन करते हुए उसे नियुक्ति दे दी। इसे प्रार्थी ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि जब ओबीसी श्रेणी में प्रार्थी मौजूद था तो इस श्रेणी के पद को सामान्य अभ्यर्थी से भरना गलत है। इसलिए उसे ओबीसी श्रेणी में नियुक्ति दी जाए। अदालत ने प्रार्थी पक्ष की दलीलों से सहमत होकर प्रार्थी की नियुक्ति पर हाउसिंग बोर्ड को विचार करने के लिए कहा है।

'राजकीय अस्पतालों में मा योजना का होगा प्रभावी संचालन'

जयपुर। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक संचालन एवं क्लेम की प्रक्रिया एवं भुगतान को सुगम बनाने के संबंध में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में बुधवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसएमएस मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध चिकित्सालयों, आरयूएचएस अस्पताल, जयपुरिया चिकित्सालय एवं राजस्थान के समस्त सरकारी चिकित्सालयों के प्रभारियों ने भाग लिया।

> ■ 'दावा प्रक्रिया होगी और सुगम, राजकीय अस्पतालों का राजस्व बढ़ेगा'

कार्यशाला को संबोधित करते हुए चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि आमजन को इलाज के खर्च से चिंतामुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना लागू की है। इसके माध्यम से प्रदेश के करीब 1800 निजी एवं राजकीय अस्पतालों में 25 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को इस योजना का पूरा लाभ मिले और राजकीय अस्पतालों में क्लेम की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए आज इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के सफलतापूर्वक संचालन एवं क्लेम की प्रक्रिया एवं भुगतान को सुगम बनाने के संबंध में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में बुधवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि मा योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इससे प्रदेश के करीब 1 करोड़ 32 लाख परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस योजना के दायरे को लगातार बढ़ाया है। अब इस योजना में सामान्य बीमारियों से लेकर रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है। प्रतिदिन करीब 8 हजार रोगी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि अस्पताल के अधिकारियों एवं कार्मिकों को इस योजना के हर प्रावधान के बारे में विस्तृत जानकारी हो, ताकि क्लेम के भुगतान में किसी तरह की बाधा नहीं आए।

पोषण पखवाड़ा का हुआ आयोजन

जयपुर। पोषण अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा जिला स्तरीय पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। मंगलवार को जवाहर कला केन्द्र में पोषण पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र कुमार सोनी ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर विभाग के निदेशक ओम प्रकाश बुनकर द्वारा पोषण पखवाड़ा में बनाई जा रही गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। अनुपमा टेलर अतिरिक्त निदेशक (पोषाहार) ने पोषण ट्रैकर पर की जा रही विभागीय एंट्री की समीक्षा की।

महिला एवं बाल विकास विभाग की उपनिदेशक अरशदीप बरार ने बताया कि राष्ट्रीय मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्य सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार तथा सामुदायिक लामबंद रणनीतियों के माध्यम से पोषण परिणामों को बढाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय पोषण पखवाड़े का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित जीवन के पहले 1000 दिनों पर ध्यान केन्द्रित करना, पोषण टैकर मे लाभार्थी मॉडयूल का लोकप्रियकरण करना सीएमएएम मॉडयूल के माध्यम से कुपोषण का प्रबंधन करना तथा बच्चों में मोटापे से निपटने के लिए स्वस्थ जीवनशैली की थीम निर्धारित की गई।

कृषि विभाग की बजट घोषणाओं को तय समयावधि में करें पूरा : राजन विशाल

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में बुधवार को कृषि विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के अनुसार सभी योजनाओं को तय समयावधि में पूर्ण करें। शासन सचिव ने कहा कि बजट में शामिल घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें। योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक कृषकों को लाभ पहुंचाये, जिससे किसान योजनाओं का लाभ लेकर अपनी पैदावार में वृद्धि कर सकेंगे।

बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, बीज मिनिकिट वितरण सहित अन्य योजनाओं पर विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

> ■ 'बजट में शामिल घोषणाओं के क्रियान्वयन में आ रही परेशानियों को दूर कर प्रभावी रूप से धरातल पर लागू करें'

राजन विशाल ने सभी अधिकारियों को ई-फाईल निस्तारण का औसत समय और कम करने के लिए कहा। सभी सीनियर अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का ई-फाईल डिस्पोजल टाईम समय-समय पर चैक करने के निर्देश प्रदान किये।

बैठक में आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल, निदेशक आत्मा डॉ. सुवालाल जाट, वित्तीय सलाहकार कृषि अचलेश्वर मीना, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) डॉ. हुशियार सिंह सहित सम्बन्धित योजना प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

व्यवसायिक उपयोग करने पर 8 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

टोंक। रसद कार्यालय के संयुक्त जांच दल द्वारा बुधवार को जिले में घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग को रोकने की कार्यवाही की गई। जिला रसद अधिकारी इंद्रपाल मीणा ने बताया कि प्रवर्तन अधिकारी धर्मचंद अग्रवाल ने मैसर्स असलम मैरिज गार्डन, प्रो. सैफी खान सबीलशाह की चौकी टोंक के औचक निरीक्षण के दौरान 8 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 इलेक्ट्रीक मोटर एवं एक गैस तौलने का धर्म कांटा रखा हुआ था। जिसको द्रविकृत पैट्रोलियम गैस नियंत्रण उल्लंघन के तहत मौके पर जब्त किया गया। इस दौरान प्रवर्तन निरीक्षक अमित शर्मा समेत अन्य कार्मिक मौजूद रहे। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से गीव अप अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित सक्षम व्यक्तियों के नाम स्वेच्छा से हटाये जाने है। जिला रसद अधिकारी इद्रपाल मीणा ने बताया कि गीव अप अभियान के तहत बुधवार को जिला रसद कार्यालय टोंक में टोंक ग्रामीण के उचित मूल्य दुकानदारों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उचित मूल्य दुकानदारों को गीव अप अभियान के आवेदन पत्र एवं पोस्टर देकर निर्देशित किया गया कि आपकी दुकान पर जो सक्षम पात्र परिवार है, उनको गीव अप आवेदन पत्र देकर उनको प्रोत्साहित करें। बैठक में प्रवर्तन अधिकारी धर्मचंद अग्रवाल ने बताया कि उपभोक्ता स्वयं भी ऑनलाइन आवेदन कर सकता है।

हॉस्टल के कमरे में मिला छात्र का शव, सुसाइड नोट मिला

कोचिंग व हॉस्टल संचालक पर हत्या का आरोप

गुरमीत राव

पावटा। कस्बा पावटा स्थित एक कोचिंग सेंटर के हॉस्टल के कमरे में छात्र ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से हड़कंप मच गया। वहीं पुलिस को हैरान करने सुसाइड नोट भी मिला है। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि छात्र की पहचान कैमरिया टोरडा ब्राह्मण गांव के मूल निवासी के रूप में हुई है। वही मृतक के मामा तेजराम जाट पुत्र बालूराम जाट निवासी ढाणी थालौड़ की तन बड़नगर ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया कि मेरा भांजा गुरमीत राव पुत्र गुरुदयाल निवासी कैमरिया गांव टोरडा ब्राह्मण तीन चार महीने से पावटा स्थित कोचिंग मां शारदे में अध्ययन कर रहा था। अचानक सावलराम का फोन आया कि आपके भांजे गुरमीत राव की मृत्यु हो गई। जिस पर में व मेरे मिलने वाले सूचना पर पावटा स्थित कोचिंग मां शारदे पहुंचे तो वहां गुरमीत राव नहीं मिला और ना ही हॉस्टल संचालक रविन्द्र यादव व सुनील यादव मिला। पता करने पर मालूम चला कि गुरमीत राव की तो कल शाम को ही मौत हो गई थी। वही हॉस्टल संचालक रविन्द्र यादव व सुनील यादव परिजनों व पुलिस को बिना सूचित किए ही उसे कोटपुतली बीडीएम हॉस्पिटल ले गए थे। जब कोटपुतली बीडीएम हॉस्पिटल जाकर देखा तो गुरमीत राव मृत मिला। वही मां शारदे कोचिंग व हॉस्टल संचालक ने बताया कि गुरमीत राव ने आत्महत्या कर ली। वही परिजनों का आरोप है कि गुरमीत राव आत्महत्या नहीं कर सकता मां शारदे कोचिंग व हॉस्टल संचालक ने उसकी हत्या कर दी है। परिजनों ने पहले भी मां शारदे कोचिंग व हॉस्टल संचालक द्वारा गुरमीत राव को बहुत बार टॉचर कर मारने का आरोप लगाया है। मृतक के परिजनों ने

मां शारदे कोचिंग व हॉस्टल संचालक पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वही प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि मृतक के पास एक सुसाइड नोट मिला है। वही परिजनों ने बताया कि सुसाइड नोट में हैंडराइटिंग गुरमीत की नहीं है। वही परिजनों ने बताया कि उसके पैरों में भी चोट के निशान है। वही परिजनों ने मां शारदे कोचिंग व हॉस्टल संचालक पर गुरमीत को रात्रि को 2- 3 हॉस्पिटलो में ले जाने व पूछताछ करने का भी आरोप लगाया है। मौके पर जयपुर से आई एमओबी व एसएफएल टीम द्वारा साक्ष्य जुटाए गए है। मृतक का शव कोटपुतली बीडीएम हॉस्पिटल मोर्चरी में रखवाया गया है। जहां से मृतक का शव परिजनों के सुपुर्द किया गया। वही प्रागपुरा थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

चोरी की गई 6 मोटरसाइकिल जप्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान के तहत टोंक वृत्ताधिकारी राजेश विधार्थी एवं मेहंदवास थानाधिकारी द्वारा गठित पुलिस दल ने 48 घंटे में ही मोटरसाईकिल चोरी के शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चुराई गई 5 बाइके जब्त की गई है। मेहंदवास थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि 22 अप्रैल को परिवादी मुरसलीम ने थाना कोतवाली ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया था कि 17 अप्रैल को सोनवा टोल के पहले एक होटल के पास ढाबे पर चाय पीने के लिए रुका था, जहां उसने बाइक को बाहर खड़ी करके ढाबे के अंदर चाय पीने चला गया। जब वह वापस बाहर आया तो बाइक नहीं मिली।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने बाइक चोर की तलाश शुरु की तथा पुलिस ने तकनीकी सहायता, मुखबीर आदि की मदद से बाइक चोरी के आरोपी मुकेश उर्फ मिच्या पुत्र गोपाल परिडवाल निवासी महुआ थाना मेहंदवास को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना झिराना में 26 फरवरी को परिवादी खुशीराम पुत्र घासी लाल मीणा ने मोटर साईकिल चोरी का प्रकरण दर्ज करवाया था, जिस पर पुलिस थाना टीम ने कार्यवाही करते हुए वांछित आरोपी धनवीर उर्फ धनराज पुत्र बाबुलाल जाति जाट उम्र 19 साल निवासी पागडा थाना उनियारा को गिरफ्तार कर चोरी की गई मोटरसाईकिल को जप्त किया गया।

नव कुंडात्मक श्री गणपति महायज्ञ व श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति

सरवाड़ के श्री मंशापूर्ण गणेश मंदिर परिसर में नव कुंडात्मक श्री गणपति महायज्ञ सम्पन्न हुआ।

- सरवाड़ नव कुंडात्मक महायज्ञ की धूमधाम के साथ संपन्न
- साफा बंधवाकर ने महाराज श्री को विदाई दी

सरवाड़, (निसं)। शहर स्थित गणेश तालाब पर श्री मंशापूर्ण गणेश मंदिर परिसर में नव कुंडात्मक श्री गणपति महायज्ञ व श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति बुधवार की गई इस अवसर पर गामचार्य पंडित राजेन्द्र प्रसाद तिवाड़ी के निर्देशन पर यज्ञ मंडप में गजानंद महाराज के जयकारों के साथ पूजा अर्चना की गई इसके बाद अखिल भारतीय दिगंबर अखाड़ा वृन्दावन के महंत लक्ष्मणदास के सानिध्य में हुए यज्ञ में बड़ी संख्या श्रद्धालुओं ने हवन में आहुतियां दी और सुख समृद्धि की कामना की वहीं विभिन्न कार्यक्रमों के साथ नव कुंडात्मक महायज्ञ की पूर्णावती हुई वहीं साधु संतों को धूमधाम के साथ विदाई दी गई इस मौके पर कथावाचक महंत नंद किशोरदास दास महाराज को माला व साफा बंधवाकर ने महाराज श्री को विदाई दी गई।

इस मौके पर यज्ञाचार्य धर्मदास शास्त्री ने कहा कि ऐसे नव कुंडात्मक महायज्ञ के कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए और श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करनी चाहिए वहीं नव कुंडात्मक महायज्ञ में आस पास क्षेत्र के ठाामीणों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर विशाल भंडारा भी आयोजित हुआ। इस दौरान नव कुंडात्मक महायज्ञ में प्रधान कुंड पर शंभू प्रकाश पारीक, राधेश्याम डोडिया, चन्द्रभान सिंह राठौड़, कल्याण सिंह व गोपाल सिंह ने हवन में आहुतियां दी।

इस दौरान ठाामचार्य पंडित राजेन्द्र प्रसाद तिवाड़ी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राधेश्याम पोरवाल, मुकुट बिहारी शर्मा, गोविंद माली, भगवान भट्ट, नारायण सोनी, कन्हैयालाल माली, किशन सिंह लाखनोत, रामस्वरूप वैष्णव, कमलेश रेगर, गोपाल छिपा, रामस्वरूप प्रजापत, कजोड़ माली, प्रहलाद सैनी, गोविंद माली, मांगीलाल माली, हनुमान शर्मा, महावीर साहू, नाथूलाल शर्मा व ओमप्रकाश पारीक साहित पुरुष व महिलाएं उपस्थिति रही।

आतंकियों का मकसद देश में अस्थिरता व भय फैलाना : राठौड़

- पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने पहलगाम घटना पर जताया दुख

अजमेर (कांस)।जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि ये हमला हम सभी को भीतर तक झकझोर देने वाला है। यह स्थान कोई सीमावर्ती इलाका नहीं, बल्कि कश्मीर का एक शांत और लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऐसे स्थान तक आतंकियों की पहुंच और वहां मौजूद निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाना, उनके कुत्सित मंसूबों को दर्शाता है। आतंकियों का मकसद देशभर में भय और अस्थिरता फैलाना है। उन्होंने कहा कि इन आतंकियों ने महिलाओं और बच्चों को अलग कर कोई इंसानियत नहीं दिखाई, बल्कि जानबूझकर उन्हें अपने प्रियजनों की बेरहमी से हत्या का गवाह बनाकर जीवनभर का दर्द देने की कोशिश की, लेकिन वे यह समझ लें कि भारत ऐसे कायरतापूर्ण हमलों से न पहले डरा है, न अब डरेगा। हमारे वीर सुरक्षाबल इन नापाक हरकतों का सख्त और निर्णायक जवाब देंगे। पहलगाम आतंकी हमले में जयपुर निवासी नीरज उधवानी सहित समस्त मृतकों को मैं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगतों को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिवारों को इस अपार पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पहलगाम आतंकवादी हमले की भर्त्सना एवं श्रद्धांजलि : अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कठोर शब्दों में भर्त्सना करता है। यह हमला न केवल निर्दोष नागरिकों के जीवन पर किया गया एक अमानवीय आक्रमण था, बल्कि मजहब के आधार पर मानवता की नृशंस हत्या का कृत्य भी था। महासंघ के अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता ने कहा कि निर्दोषों के विरुद्ध ऐसी हिंसा सभ्यता के मूल्यों पर सीधा आघात है। यह हमारे देश की एकता और अखंडता पर हमला है। सभी राजनीतिक दलों और संगठनों को अपनी भिन्नताओं से ऊपर उठकर इस आतंकवादी कृत्य के विरुद्ध एकजुट होना चाहिए। महासंघ के प्रदेश महामंत्री प्रो. रिछपाल सिंह ने कहा कि मजहब के नाम पर इस प्रकार की हत्याएँ मानवता के इतिहास पर कलंक हैं। हम मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा उनके परिवारों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएँ व्यक्त करते हैं। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. मनोज बहरवाल ने कहा कि महासंघ पीड़ित परिवारों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करता है और सरकार से अपेक्षा करता है कि आतंकवाद के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही कर दोषियों को दंडित किया जाए। इसी प्रकार भाजपा वार्ड संख्या 54 के अध्यक्ष प्रवीण राठोड भाजपा के वरिष्ठ नेता गणेशी लाल जोशी, मुन्ना मंसूरी, मदन धानका, ज्ञान प्रकाश वैष्णव, अमर चन्द रावत, हाजी रज्जाक मोहम्मद अंसारी, बलवीर गुर्जर ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम मे पर्यटको पर हुए आतंकी हमले की कडे शब्दो मे निंदा करते हुए, इस कत्य को अमानवीय बताया है और आतंकी हमले में मृतको के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगतो की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है और इस हमले में घायल हुए लोगो के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। साथ ही आतंकी हमले में मारे गए लोगो तथा घायलो के परिवार को केंद्र सरकार व राज्य सरकारें हर संभव उचित सहायता प्रदान करने व आतंकवादी घटनाओ की रोकथाम के लिए कडे कदम उठाते हुए आतंकियो की धरपकड कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुए फांसी दिलाने की मांग की है।

खनिज बजरी के प्लांटों की होगी 24 अप्रैल से 7 मई तक ई-नीलामी

भीलवाड़ा । कार्यालय खनिज अभियंता खान एवं भू विज्ञान विभाग के अधीन 24 अप्रैल से 7 मई तक खनिज बजरी के 16 प्लांटों की ई-नीलामी की जायेगी।

खनि अभियन्ता खान एवं भू विज्ञान विभाग महेश शर्मा ने बताया कि प्लाट नं0 बीजे-42 राजस्व ग्राम रावतखेडा, शक्कर पुरा तहसील जहाजपुर की प्रस्तावित क्षेत्र 89.1236 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 3564960 की ई नीलामी 24 अप्रैल को, प्लाट नं0 बीजे-36 राजस्व ठाम भैंसा कुंडल तहसील हमीरगढ की प्रस्तावित क्षेत्र 52.9863 की आरक्षित राशि 2119480 की ई नीलामी 24 अप्रैल को तथा प्लाट नं0 बीजे-37 राजस्व ग्राम भैंसा कुंडल, मोहनपुरा तहसील हमीरगढ की प्रस्तावित क्षेत्र 76.4100 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 3056400 की ई नीलामी 24 अप्रैल को की जायेगी। इसी तरह प्लाट नं0 बीजे-08 राजस्व ठाम गेगा का खेडा तहसील सवाईपुर के प्रस्तावित क्षेत्र 97.2045 हेक्टर की आरक्षित राशि 3888200 की ई नीलामी 2 मई 2025 को, प्लाट नम्बर बीजे-09 राजस्व ग्राम गेगा का खेड़ा तहसील सवाईपुर के प्रस्तावित क्षेत्र 97.5501 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 3902040 की ई नीलामी 2 मई को तथा प्लाट नं0 बीजे-02 राजस्व ठाम गेदलिया अमरतिया, करेड तहसील सवाईपुर के प्रस्तावित क्षेत्र 73.6746 की आरक्षित राशि 2947000 की ई नीलामी 2 मई को की जायेगी।

प्लाट नं0 बीजे-16 राजस्व ठाम हुरडा सेजा तहसील हुरडा एवं नगर तहसील विजयनगर के प्रस्तावित क्षेत्र 90.9200 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 3636800 की ई नीलामी 6 मई को, प्लाट नं0 बीजे-23 राजस्व ठाम केसरपुरा, भरणी कलां तहसील जहाजपुर के प्रस्तावित क्षेत्र 55.4796 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 2219200 की ई नीलामी 6 मई को, प्लाट नं0 बीजे-34 राजस्व ठाम जवासिया, सायला, बरडोद तहसील हमीरगढ की प्रस्तावित क्षेत्र 97.4891 हेक्टेयर की आरक्षित राशि 3899600 की ई नीलामी 6 मई को, प्लाट नं0 बीजे-35 राजस्व ठाम बरडोद, खेतहजारिया तहसील हमीरगढ के प्रस्तावित क्षेत्र 52.2744 हैक्टर की आरक्षित राशि 2091000 की ई नीलामी 6 मई को की जायेगी।

पत्थर की पट्टी मासूम के सिर पर गिरी, मौत

पाली, (नि.सं.)। घर के पास खाली प्लॉट में खेल रही 5 साल की मासूम के सिर पर 100 किलो की पट्टी उखड़ कर गिर गई। हादसे में मासूम की सिर की हड्डी चकनाचूर हो गई। दर्दनाक हादसे में मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। साथ खेल रहा मासूम चिल्लाता हुआ घर की ओर दौड़ा तो परिजन भाग कर बआहर आए और पट्टी के नीचे दबी मासूम को संभाला। पट्टी के नीचे खून ही खून हो गया था। इसके बाद आपाधापी में परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मामला पाली के कोतवाली थाना इलाके के आशापुरा नगर का बुधवार सुबह 10 बजे का है। जानकारी के अनुसार, यहां रहने वाले शाहरुख खान की बेटी सोफिया (5) की हादसे में मौत हो गई। इसका एक भी सामने आया है। बांगड़ अस्पताल के डॉक्टर बृजेश के अनुसार बच्ची को जब यहां लाए तो भारी पत्थर वजन गिरने से बच्ची का सिर क्रेश हो गया था। उसकी स्कल बोन (खोपड़ी की हड्डी) फट गया था। उसे जब यहां लाया गया तब तक बच्ची की मौत हो गई थी। हमने सर्जन-पीडियाट्रिशियन से जांच करवाई। उन्होंने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, शाहरुख खान की बेटी सोफिया (5) सुबह पड़ोस के रहने वाले बच्चों के साथ खेल रही थी। इसी दौरान खेल-खेल में वह खाली प्लॉट में जमीन में धंसे करीब 100 किलो की पट्टी के पास चली गई। इसी समय पट्टी उखड़ कर बच्ची के सिर पर आ गिरी। मासूम का आधा शरीर इसके नीचे दब गया। 100 किलो की पट्टी गिरने से उसका सिर फट गया। परिजनों ने तुरंत पट्टी को हटा कर उसे बाहर निकाला। वह निढाल हो चुकी थी। इसके बाद परिजनों को सूचना दी और अस्पताल ले गए। जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर, मॉर्च्यूरी पर परिजन बच्ची की मौत से बदहवास हो गए। पिता फैक्ट्री में काम करने गए थे। उन्हें सूचना मिली तो वे ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। जहां बेटी की मौत की खबर सुनकर रोने लगे। घटना के बाद मां सुल्ताना और दादी रजिया बानो का रो रो कर बुरा हाल है। उनकी आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ सिटी ऊषा यादव भी घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने मृतका के परिजनों और मोहल्लेवासियों से हादसे के बारे में जानकारी ली। बता दें कि जिस प्लाट में हादसा हुआ वहां प्लॉट के गेट पर 9 फीट लंबी और डेढ़ फीट मोटी भारीभरकम पट्टी लगाई गई थी।

पाली में वॉट्सऐप ग्रुप से चल रहा था सेक्स रैकेट

पाली, (नि.सं.)। पाली पुलिस ने मंगलवार को एक सुनसान मकान पर दबिश दी। जहां दो युवतियां सहित 6 युवक मिले। पूछताछ में सामने आया कि दो युवक चोरी-चुपके यहां वेश्यावृत्ति का काम करवाते थे। ग्राहक भी खुद ही लाते थे। ऐसे में पुलिस ने 2 संचालकों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई की। पाली सिटी सीओ उषा यादव ने बताया कि मुखबिर के जरिए सूचना मिली की पाली शहर के औद्योगिक नगर थाना क्षेत्र में आशियाना प्रोपर्टी के पीछे की तरफ बने एक सुनसान मकान में वेश्यावृत्ति चलती है। जहां दो युवक चोरी-चुपके लड़कियां लाते है।

'निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ'

- भारत सरकार को आतंकवाद को रोकने के लिए कठोर व ठोस निर्णायक कदम उठाने जरूरी

भीलवाड़ा । बनेड़ा उपतहसील क्षेत्र ढिकोला में आज नायब तहसीलदार रामप्रसाद मीणा को रास्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला बेहद शर्मनाक ओर कायराना हरकत है। निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाना मानवता के खिलाफ अपराध है। जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। भारत सरकार को आतंकवाद को रोकने के लिए कठोर व ठोस निर्णायक कदम उठाने जरूरी है।

ताकि मासूम नागरिकों की जान यू न गवानी पड़े । भारत सरकार ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाकर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष मनीष नायक, सरपंच प्रतिनिधि गणपत खटीक, कोषाध्यक्ष अभिषेक पाराशर, ग्रामीण मण्डल उपाध्यक्ष सन्दीप पटवारी, समाज सेवी गोपाल भाट, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सुरेश भाट, राजीव गांधी जिला अध्यक्ष परमेश्वर जागेटिया, विशाल शर्मा, भेरू खटीक मौजूद रहे।

अशोक पंसारी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

अजमेर (कांस)। अग्रवाल समाज की राष्ट्रीय स्तर की संस्था अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग के निर्देशानुसार संस्था की पूर्वी राजस्थान इकाई के प्रदेश अध्यक्ष गिरीश गर्ग की सहमति से प्रदेश महामंत्री सन्मति हरकारा ने अजमेर निवासी अशोक गोयल पंसारी को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा पूर्व पार्षद शैलेंद्र अग्रवाल को प्रदेश मीडिया प्रभारी के पद पर मनोनीत किया है, पंसारी इससे पूर्व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन संस्था में प्रदेश उपाध्यक्ष तथा शैलेंद्र अठावाल जिला महामंत्री के पद पर कार्य कर चुके हैं तथा दोनों ही अजमेर की विभिन्न अग्रवाल व अन्य सामाजिक संस्थाओं में विभिन्न पदों पर कार्यरत हैं।

ट्रेन से गिरने से 27 वर्षीय युवक की हुई मौत,

मृतक की पहचान रामवीर केवट के रुप में हुई

निवाई। कोटा से जयपुर की ओर जा रही बिलासपुर एक्सप्रेस से सिरस रेलवे स्टेशन के पास एक 27 वर्षीय युवक के गिर गया। जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। जीआरपी कांस्टेबल सीताराम ने बताया कि मंगलवार की रात को कोटा से जयपुर की ओर जा रही बिलासपुर एक्सप्रेस से सिरस रेलवे स्टेशन के पास एक 27 वर्षीय युवक के गिरने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से युवक का क्षत-विक्षत शव को निजी एंबुलेंस से निवाई उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक के बैग से मिले दस्तावेजों के अनुसार मृतक की पहचान रामवीर केवट पुत्र रामप्रसाद केवट उम्र 27 वर्ष निवासी सेवती कला रवाजना डुंगर जिला सवाईमाधोपुर के रूप में हुई है। जीआरपी पुलिस ने मंगलवार की रात को ही परिजनों को सूचना दे दी। मृतक के परिजन मंगलवार की रात को ही निवाई पहुंच गए। बुधवार की सुबह चिकित्सकों ने शव का पोस्टमार्टम करने के लिए मना कर दिया। चिकित्सा प्रभारी राजेश जैन ने बताया कि जिस क्षेत्र में दुर्घटना होती है। उसी क्षेत्र के अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जाता है। ऐसे में मृतक के परिजन बुधवार की सुबह से ही जीआरपी पुलिस के साथ चिकित्सकों से गुहार लगाते रहे। परिजनों ने विधायक रामसहाय वर्मा को उक्त घटना की जानकारी दी। जिस पर विधायक रामसहाय वर्मा द्वारा चिकित्सा अधिकारियों से बातचीत की और पोस्टमार्टम करने के लिए कहा तब जाकर निवाई के चिकित्सक रामजीलाल बैरवा द्वारा पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। चिकित्सा प्रभारी राजेश जैन ने बताया कि विधायक रामसहाय वर्मा के निर्देशों पर मानवता के आधार पर निवाई अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों ने बताया मृतक जयपुर में टेंट लगाने का मजदूरी कार्य करता था। मजदूरी कार्य करने के लिए ही ट्रेन से जयपुर जा रहा था उन्होंने बताया कि मृतक के पिता की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मृतक के बुजुर्ग मां व तीन भाई व दो बहने है। जिनमें वह सबसे छोटा था।

भीषण हादसे में बस चालक की मौत

पाली, (नि.सं.)। गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के रामपुरा गांव के निकट व्यावर-पिंडवाड़ा हाई-वे पर सोमवार शाम निजी बस और ट्रेलर के बीच हुए भीषण हादसे में बस चालक की मौत हो गई। जबकि बस में सवार 20 यात्री घायल हो गए। सूचना पर पुलिसकर्मी पहुंचे और ग्रामीण व अन्य वाहन चालकों के सहयोग से मृतक चालक और घायलों को बस से बाहर निकाल एंबुलेंस से बांगड़ अस्पताल पहुंचाया। निजी बस सोमवार दोपहर जोधपुर से पाली होते हुए पुणे जा रही थी। इस दौरान रामपुरा गांव के निकट एक ट्रेलर डिवाइडर कट क्रॉस कर रहा था। तभी तेज रफ्तार से आ रही ट्रेवल्स की बस ट्रेलर से जा भिड़ी। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में जोधपुर जोधपुर जिले के मेलाना-खेडापा निवासी बस चालक घेवरराम जाट (50) की मौत हो गई, जबकि बस सवार 20 यात्री घायल हो गए। इस दौरान ग्रामीण और वहां से अन्य वाहन चालक जमा हो गए। पुलिसकर्मी भी पहुंचे। इसके बाद शव के साथ घायलो को बस से निकालकर एम्बुलेंस व अन्य वाहन से बांगड़ अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री व पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट भी बांगड़ अस्पताल पहुंचे।

बंजारा बस्ती में आग का कहर

नारायणपुर । ग्राम पंचायत बामनवास कांकड़ के भीड़का की ढाणी बंजारा बस्ती में मंगलवार देर रात को अज्ञात कारणों से लगी आग ने दो कच्चे घरों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हृदयविदारक घटना में लगभग 8.50 लाख रुपए मूल्य का घरेलू सामान और

- इस हृदयविदारक घटना में लगभग 8.50 लाख रुपए मूल्य का घरेलू सामान जलके राख हुआ।

दहेज सामग्री जलकर राख हो गई। पटवारी रोहिताश योगी ने बताया कि सीता देवी पत्नी लाडाराम बंजारा जो करीब दस वर्षों से इस ढाणी में निवास कर रही थी, उनके घर में रात करीब 10 बजे अचानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते दो कच्चे घर जलकर पूरी तरह खाक हो गए। आग लगने की सूचना मिलते ही पूरे बंजारा बस्ती में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने रात के अंधेरे में ही बिना किसी देरी के आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया।

महिला, पुरुष और बच्चों ने मिलकर बाल्टी, मटके, रेत और पानी से आग बुझाई। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस हादसे में अनाज, कपड़े, चारपाई, खाने-पीने का सामान, पशुओं का चारा, जरूरी दस्तावेज और घरेलू उपयोग की कई वस्तुएं पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गईं। बुधवार सुबह सरपंच गणेश जाट, हल्का पटवारी रोहिताश योगी और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। पटवारी द्वारा तैयार की गई मौका रिपोर्ट के अनुसार कुल नुकसान लगभग 8.50 लाख रुपये आँका गया है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

दो कच्चे घर जलकर राख हो गये।

इस अग्निकांड ने सीता देवी के परिवार पर दुखों का पहाड़ तोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार सीता देवी की दो बेटियों की शादी आगामी 22 मई को तय थी। परिवार पूरी तैयारी में जुटा हुआ था। दोनों बेटियों का दहेज सामान फर्नीचर और कपड़े घर में ही रखे गए थे, जो इस भीषण आग में पूरी तरह से जलकर खाक हो गए।

सीता देवी ने बताया कि सालों की मेहनत और बचत से उन्होंने बेटियों के लिए दहेज और शादी की तैयारियां की थीं, लेकिन एक रात की आग ने सब कुछ छीन लिया। अब शादी की तारीख नजदीक है और पूरा परिवार असहाय महसूस कर रहा है। प्रशासन और समाजसेवियों से पीड़ित परिवार ने मदद की गुहार लगाई है ताकि बेटियों की शादी समय पर संपन्न हो सके।

पटवारी 4 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। धौलपुर एसीबी की टीम ने आज बिजलीघर रिलायंस मॉल के पास स्थित भरतपुर पटवार गृह में ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया। पटवारी ने परिवादी से हैसियत प्रमाण पत्र बनाने के एवज में 5 हजार की रिश्वत मांगी थी। जिस पर परिवादी ने धौलपुर एसीबी में इसकी शिकायत की । शिकायत का सत्यापन सही पाए जाने पर आज पटवारी को 4 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि पटवारी तुलाराम हल्का चक नंबर-3 परिवादी से हैसियत प्रमाण पत्र बनवाने के एवज में 5 हजार की रिश्वत मांग रहा था। जिसके बाद परिवादी और पटवारी का 4 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। जिसकी शिकायत परिवादी ने धौलपुर एसीबी से की, शिकायत का सत्यापन करवाया गया तो, सही पाया गया। आज परिवादी पटवारी को 4 हजार रुपए की रिश्वत देने के लिए आया था। जिस पर धौलपुर चौकी के उप अधीक्षक सुरेंद्र सिंह की टीम ने आरोपी घूसखोर पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड लिया। पटवारी से रिश्वत के 4 हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए। पटवारी के हाथों को चेक किया तो, यह साबित हो गया कि उसने रिश्वत के 4 हजार रुपए लिए हैं।

खेल जगत

यहां टॉस ने अहम भूमिका निभाई है। पहले गेंदबाजी करने वाली टीम को पिच से काफी मदद मिल रही है। लखनऊ में खैर ऐसा ही होता है, मैच आगे बढ़ने के साथ पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती जाती है।'' - ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान, मैच के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ ड्वेन ब्रावो

पिछले सीजन बड़ी-बड़ी टीमों को हराकर खिताब जीतने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2025 में काफी खराब प्रदर्शन कर रही है। टीम इस सीजन में अब तक 5 मुकाबला गंवा चुकी है। यहां तक पंजाब के खिलाफ टीम 112 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। गुजरात के खिलाफ हार के बाद केकेआर के मेंटॉर ड्वेन ब्रावो ने बताया आखिर टीम क्यों हार रही है। ब्रावो ने गुजरात के खिलाफ मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, आईपीएल एक कड़ा टूर्नामेंट है। जब आप अच्छी शुरुआत नहीं करते हैं कि बल्लेबाज ऐसे दोर में चले जाते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... मिरोस्लाव क्लोस ने 16 विश्व कप गोल किए हैं 2022 में गोन्सालो रामोस ने सबसे तेज गोल किया।

मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया

हैदराबाद, 23 अप्रैल। ट्रेंट बोल्ट (चार विकेट), दीपक चाहर (दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद रोहित शर्मा (70) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 40) रनों की बेहतरीन पारियों के दम पर मुम्बई इंडियंस ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में 26 गेंदे शेष रहते सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। मुम्बई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुम्बई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज रायन रिकलटन (11) का विकेट दूसरे ही ओवर में गवां दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विल जोक्स ने रोहित शर्मा के साथ दूसरे विकेट लिये 64 रन जोड़े। 10वें ओवर में जीशान अंसारी ने विल जोक्स (22) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रोहित के साथ सूर्यकुमार यादव ने मोर्चा संभाला। 15वें ओवर में इशान मलिंगा ने रोहित शर्मा को अभिषेक के हाथों कैच आउट कराकर हैदराबाद के लिये तीसरा विकेट झटका।

रोहित शर्मा तब तक अपनी टीम को जीत के द्वार तक पहुंचा चुके थे। रोहित ने 46 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने 19 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 40) रन बनाये। मुम्बई इंडियंस ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया सनराइजर्स हैदराबाद के लिए इशान मलिंगा, जयदेव उनादकट और जीशान अंसारी ने

एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने एक के बाद एक 13 के स्कोर तक अपने शीर्ष चार विकेट गवां दिये। ट्रेंट बोल्ट ने दूसरे ही ओवर में ट्रैविस हेड को नमन धीर के हाथों कैच आउट कराकर मुम्बई इंडियंस को पहली सफलता दिलाई।

अगले ही ओवर में दीपक चाहर ने इशान किशन (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। हैदराबाद का तीसरा विकेट अभिषेक शर्मा (आठ) के रूप में गिरा। चौथा विकेट नीतीश कुमार रेड्डी (दो) को दीपक चाहर ने आउट किया। इसके बाद हाइनरिक क्लासन और अनिकेत वर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में हार्दिक पंड्या ने अनिकेत वर्मा (12) को आउटकर हैदराबाद को पांचवां झटका दिया।

19वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने हाइनरिक क्लासन को आउटकर अभिनव मनोहन के साथ उनकी 99 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी का अंत किया। हाइनरिक क्लासन ने 44 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (71) रनों की पारी खेली। ट्रेंट बोल्ड ने 20 ओवर में अभिनव मनोहन को भी आउट कर मुम्बई के लिए सातवां विकेट लिया। अभिनव मनोहन ने 37 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए (43) रन बनाये। हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 रनों का स्कोर खड़ा किया।

मुम्बई इंडियंस की ओर से ट्रेंट बोल्ट ने चार और दीपक चाहर ने दो विकेट लिये। हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जयदीप बिहाणी के खिलाफ एडहॉक सदस्यों ने खोला मोर्चा

जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे बियाणी ने एडहॉक कमेटी को चलाया : धनंजय

जयपुर, 23 अप्रैल। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बीजेपी विधायक और एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के बाद अब एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने ही मोर्चा खोल दिया है। बुधवार को हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और एडहॉक कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी के अमर्यादित व्यवहार और अनर्गल बयानों से हम सभी एडहॉक सदस्य स्तब्ध हैं। एडहॉक समिति के सभी सदस्य उनकी कथित टिप्पणियों की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हम सब स्पष्ट करते हैं कि हम उनके बयानों से पूर्णतः असहमति रखते हैं।

खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सीखने के लिए इस तरह के बेतुके बयान दे रहे हैं। सिर्फ पास के लिए वह बेवजह विवाद पैदा करना चाहते हैं। जयदीप बिहाणी ने तानाशाह की तरह काम किया है। जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे उन्होंने एडहॉक कमेटी को चलाया है। जब कभी एडहॉक कमेटी की मीटिंग होती थी। उसमें भी वह खुद की मनमर्जी कर और हम सब पर ऊंची आवाज में बात करते थे।

धनंजय ने कहा, जयदीप बिहाणी ने तानाशाह की तरह काम किया है। जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे उन्होंने एडहॉक कमेटी को चलाया है। जब कभी एडहॉक कमेटी की मीटिंग होती थी। उसमें भी वह खुद की मनमर्जी कर और हम सब पर ऊंची आवाज में बात करते थे। उन्होंने कहा कि मैं खेल मंत्री और मुख्यमंत्री जी से भी निवेदन करता हूं कि इस तरह के बयान देने पर जयदीप बिहाणी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए।

एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने कहा- हम सभी इंडियन प्रीमियर लीग में फिक्सिंग को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ हैं। इसके साथ ही जो 10 लाख रुपए की बात उन्होंने कही वह भी पूरी तरह से गलत है। क्योंकि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को संसाधन खरीदने से लेकर क्रिकेट गतिविधियों के संचालन के लिए बीसीसीआई द्वारा ही फंड दिया जा रहा है। लेकिन उन्होंने बिना हमसे पूछे न जाने कब 10 लाख रुपए मांगने के लिए चिट्ठी जारी कर दी।

अगर बियाणी को निजी टिप्पणी करनी है तो अपने सोशल मीडिया पर करें आरसीए मीडिया का उपयोग क्यों कर रहे है। एक महीने से किसी भी विवाद में हम पांचों सदस्य शामिल नहीं है। आज उचित समय आया है जब हम सबका मनोबल टूट चुका है। बियाणी सिर्फ अपनी राजनीति चमकाने के लिये ऐसे औछे आौप लगा रहे है। अगर उनके पास कोई सबूत है तो सबके सामने पेश करे।

आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप

जयपुर, 23 अप्रैल। जयपुर नगर निगम ग्रेटर के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने आईपीएल में जीएसटी चोरी का आरोप लगाते हुए जांच व वसूली की मांग की है। इस बारे में जीएसटी आयुक्त सी के जैन को बाकायदा एक पत्र साथ में प्रूफ दिया है। उदाहरण के तौर पर बताया गया है कि पूरे परिसर में पार्किंग का काम जिसे दिया गया था, उसने कार के लिए 300 रूपए प्रति कार पार्किंग का शुल्क लिया और उस पर जो जीएसटी बनता है वह स्टेट ट्रेज़री तक पहुंचा भी नहीं। पार्किंग शुल्क रसीद की प्रति भी आयुक्त जीएसटी को दी गई है। यह आशंका भी जताई गई है कि यह तो एक छोटा उदाहरण मात्र है, अन्य अनेक ऐसी वस्तुओं की बिक्री व सेवाएं रही है, जिन पर जीएसटी स्टेट को मिला या नहीं यह जांच की जाये। उल्लेखनीय है कि आईपीएल के आयोजन का जिम्मा इस समय राजस्थान खेल परिषद के पास है और आयोजन में अनेक अनियमितताएं देखने को मिली हैं।

सऊदी अरब में भारत का नाम रोशन करने वाली जयपुर की लक्षिता का स्कूल में सम्मान

जयपुर, 23 अप्रैल। दक्षिण एशिया चैंपियनशिप के अंडर-18 श्रेणी में डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतने वाली जयपुर की छात्रा लक्षिता मेहलावत का विद्यालय परिसर में स्वागत कर सम्मान किया गया। इस दौरान स्कूल की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल और प्रधानाचार्या, मधु मैनी ने लक्षिता को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वे जयपुर के जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल की कक्षा 12वीं की छात्रा हैं। गौरतलब है कि यह चैंपियनशिप हाल ही में सऊदी अरब में आयोजित हुई थी, जिसमें लक्षिता ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

लक्षिता ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व कर विद्यालय, परिवार और देश का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर पर स्कूल की चेयरपर्सन, डॉ. जयश्री पेरीवाल ने कहा, यह हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। लक्षिता ने यह सिद्ध कर दिया है कि कठिन परिश्रम, समर्पण और सही मार्गदर्शन से कोई भी सपना असंभव नहीं होता। जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल हमेशा से अपने छात्रों को वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित करता आया है और आगे भी करता रहेगा। इस उपलब्धि पर स्कूल परिवार लक्षिता को हार्दिक बधाई देता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।'' इस उपलब्धि पर छात्रा लक्षिता ने कहा कि यह सब उनके स्कूल के समर्थन की वजह से संभव हो पाया। अब उनके जैसी कई युवा लड़कियां सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत कर सकती हैं।

शतरंज की बिसात पर चला पहला दांव

अतीक, ईशान और अरिशा की शानदार जीत

जयपुर, 23 अप्रैल। आज से गुलाबी नगर में पाँच दिवसीय जयपुर ओपन क्लासिकल फिडे रेटेड चेस टूर्नामेंट 2025 के दूसरे संस्करण का शुभारम्भ जयपुर क्लब में हुआ। जेएचडब्लू (जयपुर हेल्थ एंड वैलनेस) के संस्थापक और सीईओ, हिम्मत सिंह ने बताया कि, वेव्स और जेएचडब्ल्यू के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के पहले दौर में आज असम की श्रद्धा धर ने गुजरात के मकावाना वीरेंद्र सिंह को; जयपुर के विवान कपूर ने दिल्ली के ए.के.कलसियन को; यूपी के वाईके श्रीवास्तव को जयपुर के आरव गुप्ता ड्रा पर रोका और बिहार के ईशान सतवत ने जयपुर के पी.आर.हर्ष को, जयपुर की अरिशा अग्रवाल ने राजस्थान के जालप इंद्राज को तथा जयपुर के ही अन- रेटेड अतीक कुमावत ने कोटा के रेटेड मुकेश मंडलोई को हराया। आयोजन सचिव, जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि, टूर्नामेंट का उदघाटन बलविंदर सिंह वालिया, फैसिलिटी डायरेक्टर, नारायणा हॉस्पिटल; राहुल पचोरी, केयर हेल्थ इंश्योरेंस के रीजनल हैड; को-फाउंडर जेएचडब्ल्यू, भूपेंद्र सिंह और आर.के व्यास; रॉयल जयपुर चेस क्लब के रवि बजाज; मध्य प्रदेश से कैट के जोनल हेड, भूपेंद्र जैन; फाउंडर, फूड फॉर नीडी, उदित चतुर्वेदी; अध्यक्ष, जयपुर क्लब, मनोज बिड़ला; आनरेरी सेक्रेटरी, विशाल कौशल; कोषाध्यक्ष, पवन पाराशर; स्वर्ण सिंह खनूजा; डॉ भरत ग्रोवर; संजय मदान; सदस्य कार्यकारी समिति, वेव्स से अमरीश जोशी एवं ज्योति चतुर्वेदी, सेक्रेटरी अशोक भार्गव और नई दिल्ली से परवेंद्र मणि वर्मा द्वारा किया गया। इस संस्करण में लगभग 500 खिलाड़ी 4 से 84 साल के 20 राज्यों के 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाडी भाग ले रहे हैं।

आरआर बनाम एमआई 1 मई को आईपीएल के आधिकारिक पिंक प्रोमिस मैच के रूप में घोषित

जयपुर, 23 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि 1 मई 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ उनका रोमांचक मुकाबला आईपीएल 2025 का पिंक प्रोमिस मैच होगा। एक ऐसा प्रमुख मुकाबला जो ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं के नेतृत्व में परिवर्तन के लिए फ्रेंचाइज़ी की स्थायी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

पिछले साल की सफलता की गति को आगे बढ़ाते हुए, रॉयल्स एक बार फिर उद्देश्य के साथ मैदान में उतरेंगे, एक स्पेशल ऑल-पिंक जर्सी पहनेंगे जो महिला परिवर्तनकर्ताओं के साथ एकजुटता का प्रतीक है। लेकिन यह पहल इससे कहीं आगे जाती है। यह इस बात का प्रमाण है कि कैसे क्रिकेट सीमा से परे बदलाव ला सकता है। इस साल, एक बार फिर हमारी चल रही प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, मैच के दौरान लगाए गए हर छक्के से सांभर क्षेत्र के छह घर सौर ऊर्जा से रोशन होंगे।

बदलाव लाने के अपने संकल्प को आगे बढ़ाते हुए, फ्रेंचाइज़ी ने घोषणा की है कि 1 मई के मैच के लिए बेचे गए हर टिकट से 100 ग्रामीण राजस्थान में महिलाओं को सतत विकास के माध्यम से सशक्त बनाने वाली परियोजनाओं के लिए निर्देशित किए जाएँगे। इसके अलावा, विशेष रूप से डिज़ाइन की गई पिंक प्रॉमिस जर्सी की बिक्री से होने वाली सभी आय को के चल रहे सामाजिक विकास कार्यक्रमों में योगदान दिया जाएगा, जिससे क्रिकेट की भावना को वास्तविक दुनिया में बदलाव के उत्प्रेरक में बदलने के रॉयल्स के मिशन को बल मिलेगा।

2024 में, पिंक प्रॉमिस अभियान ने 260 घरों को सौर ऊर्जा से रोशन किया, जो सांभर ब्लॉक की महिलाओं द्वारा किए गए इंस्टॉलेशन से संचालित है जिन्हें राजस्थान रॉयल्स की सीएसआर शाखा रॉयल राजस्थान फाउंडेशन (आरआरएफ) के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इनमें से कई महिलाएं अपने समुदायों में पहली प्रमाणित सौर इंजीनियर बन गई, जिससे अवसर और सशक्तिकरण का आंदोलन शुरू हो गया। पिंक प्रॉमिस मैच सामाज को बेहतर बनाने के लिए क्रिकेट की शक्ति का उपयोग करने के टीम के स्थायी मिशन को दर्शाता है। मैच के टिकट राजस्थान रॉयल्स की वेबसाइट और बुकमाईशो पर उपलब्ध हैं।

धनंजय अध्यक्ष, अरिष्ठ सचिव व भाटी कोषाध्यक्ष निर्वाचित

जोधपुर, 23 अप्रैल। जिला क्रिकेट संघ जोधपुर की नई कार्यकारिणी का गठन संपन्न हो गया है। सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता रमेश मेहता की देखरेख में हुए चुनावों में धनंजय सिंह अध्यक्ष, अरिष्ठ सिंघवी सचिव व भुपेन्द्र सिंह भाटी कोषाध्यक्ष निर्वाचित। चुनाव प्रक्रिया राजस्थान खेल (पंजीकरण, मान्यता और एसोसिएशन का विनियमन) अधिनियम 2005 एवं संबंधित उपविधियों के अंतर्गत संपन्न हुई। रमेश मेहता ने चुनाव अधिकारी के रूप में कार्य किया। आरसीए के पर्यवेक्षक के रूप मे धर्मवीर सिंह शेखावत व भरतलाल खेल अधिकारी मौजूद रहे। चुने गए अन्य प्रमुख पदाधिकारियों में त्रिभुवन सिंह भाटी, राजू सिंह, निरंजन सिंह राठौड़ मोइन खान उपाध्यक्ष चुने गए।

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. :- 46 Dated :- 23/04/2025

NIB 01/2025-26

Bid for 1. Construction of Boundry Wall for RHB Land at Jalore 2. Construction of Road Work for RHB Land at Jalore are invited from interested bidders from 25.04.2025 to 05.05.2025 upto 06:00 PM. Other particulars of Bids are available on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in & sppp.rajasthan.gov.in)** of the State and RHB's website **www.urban.rajasthan.gov.in/rhb.**

UBN No. :- RHB2526WSOB00033 & RHB2526WSOB00034

Raj.Samwad/C/25/1199 Resident Engineer, Div.-I, Jodhpur

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)

NOTICE INVITING Bid No. 01/2025-26 Item No. 2

Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division Bhawani Mandi, DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 24.04.2025, 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.

NIB No. PHE2526A0373

UBN No. PHE2526WSOB00948

DIPR/C/5237/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/EE HQ/228 दिनांक :- 22/04/2025

ई.ओ.आई सूचना संख्या - मुख्यालय - 05/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण क्षेत्राधिकार में विभिन्न कार्यो हेतु ई.ओ.आई में निर्धारित शर्तो को पूर्ण करने वालों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से ऑनलाईन ई.ओ.आई आमंत्रित की जाती है। इन कार्य की अनुमानित लागत, ई.ओ.आई बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, ई.ओ.आई, शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट **www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखी जा सकती है।

UBN No. : JOD2526SSOB00030

राज.संवाद/सी/25/1129 अधिशाषी अभियंता

Office Of Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar (Rajasthan)

NOTICE INVITING Bid No. 01/2025-26 Item No. 1

Bids for Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division JHALAWAR, DISTT. JHALAWAR are invited from interested bidders upto 24.04.2025, 18.00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the www.dipr.rajasthan.gov.in, http://rajwater.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in. Departmental websites.

NIB No. PHE2526A0370

UBN No. PHE2526WSOB00945

DIPR/C/5236/2025 Superintending Engineer PHED Circle Jhalawar

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड उदयपुर (राज.) 313001

दूरभाष स.0294-2414165, 2421255, 2420013 Helpline no. 0294 2426262 ई.मेल commudr@gmail.com, garage.umc21@gmail.com

क्रमांकः- गैराज/ननिउ/2025-26/77 दिनांकः- 22.04.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 02/2025-26

नगर निगम उदयपुर के विभिन्न वाहनो हेतु टायर, ट्यूब व फ्लेप क्रय (Supply) कार्य वार्षिक दर संविदा हेतु ई- प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑन लाईन निविदा 04.05.2025 तक आमंत्रित की जाती है। बीड से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा की प्रारम्भ दिनांक 23.04.2025 तथा खुलने की दिनांक 05.05.2025 एवं अनुमानित लागत 40.00 लाख रू. है।

UBN no. UNP2526GLRC00012

अधिशाषी अभियन्ता (यांत्रिक) नगर निगम उदयपुर — आयुक्त नगर निगम उदयपुर

राज.संवाद/सी/25/1192

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड जमवारामगढ़, जयपुर

फोन : 9351903907, Email: cephedjmr@gmail.com

क्रमांक : 24-35 दिनांक-07/4/2025

निविदा सूचना संख्या 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड जमवारामगढ जिला जयपुर के अधीन निविदा सूचना संख्या 01/2025-26 का राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को ई-प्रोक्यूमेन्ट के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है।

उक्त सभी निविदाओं से संबंधित विस्तृत विवरण वैबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उपरोक्त निविदाओं का प्रकाशन sppp.rajasthan.gov.in निम्नानुसार कर दिया गया है:-

क्र.सं.	निविदा संख्या	आई.डी. नम्बर	अपलोड की दिनांक
01	01/2025-26	UBNPHE2526WSOB00721	09/04/2025

DIPR/C/5208/2025 (अमित कुमार सुरेला) अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग खण्ड जमवारामगढ, जयपुर

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.), नया पावर हाउस रोड, जोधपुर -342003, दूरभाषः- (0291)2651201

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

TNJDZ-29) "ए) उतरादी जाटो की ढाणी और सजनानियों की ढाणी में नए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण (बी) उतरादी जाटो की ढाणी और सजनानियों की ढाणी में नए कनेक्शन के लिए सिंगल सर्किट (18.5 किमी) पर 33 केवी लाइन का निर्माण (सी) 11 केवी इंटर कनेक्शन का निर्माण (8.1 किमी) ओएंडएम, सब-डिवीजन आउ के तहत 33/11 केवी जीएसएस उतराडी जाटो की ढाणी और सजनाणियों की ढाणी श्रम दर के आधार पर -2022"।

(UBN No. JVV2526WSOB00015)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑनलाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/1119 संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.), नया पावर हाउस रोड, जोधपुर -342003, दूरभाषः- (0291)2651201

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

TNJDZ-31 " ए) पन्ना नगर और कनासर में नए सब स्टेशन के कनेक्शन के लिए 33 केवी लाइन का निर्माण (बी) पन्ना नगर और कनासर में नए 33/11 केवी सब स्टेशन का निर्माण (सी) ओ एंड एम, सब-डिवीजन बीएपी के तहत 33/11 केवी जीएसएस पन्ना नगर और कनासर से 11 केवी इंटर कनेक्शन का निर्माण श्रम दर के आधार पर-2022"

(UBN No. : JVV2526WSOB00024)

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** एवं **www.eproc.rajasthan.gov.in** द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑनलाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl** पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/1117 संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड बाडी

NIB No.: 01-04/2025-26 **निविदा सूचना** Date: 12.04.2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्लू.एफ. एण्ड.ए.आर पार्टना अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रो (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको / सप्लायर्स एवं निविदा प्रपत्र में वांछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं0 01-04 के लिये मौहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 03-04/2025-26 के निविदा प्रपत्र https://eproc.rajasthan.gov.in/ से दिनांक 23.04.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा कर दिनांक 23.04.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 24.04.2025 को 12.00 पी.एम. पर टैक्नीकल बिड (तकनीकी बोली) खोली जावेगी। निविदा संख्या 01-02 के निविदा प्रपत्र इस कार्यालय में दिनांक 23.04.2025 को 05.00 पी.एम. तक विक्रय किये जाकर दिनांक 24.04.2025 को 12.00 पी.एम. तक भरे हुये निविदा प्रपत्र इस कार्यालय में प्राप्त कर दिनांक 24.04.2025 को 02.00 पी.एम. पर उपस्थित निविदा-दाताओं के समक्ष खोली जावेगी निविदा प्राप्त करने हेतु निर्धारित मनी ऑर्डर / डिमाण्ड ड्राफ्ट निम्न हस्ताक्षरकर्ता के नाम भिजवाकर या नकद जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs. (in Lacs)	Earnest Money in Rs.		MD RISL (in Rs.)	Tender Fee (in Rs.)	Period for completion
			2%	0.05%			
NIT 01/ 25-26	PROVIDING LAYING AND JOINTING OF DISTRIBUTION PIPELINE AT TEHSIL ROAD & SHIV COLONY SARMATHURA UNDER SUB DIV BASERI	4.48	8980	2245	-	500.00	30 DAYS
NIT 02/ 25-26	Replacement of Submersible Pump set in Rural area Of Sub Division Baseri	3.56	7120	1780	-	400.00	30 DAYS
NIT 03/ 25-26	Replacement of Centrifugal Pump set in existing Pump House and pannel board in Pump House Tontri Mode and Six nos. Pump set for tws and Six Nos. Starter pannel for tws under uwss bari Sub Division Bari	11.90	23814	5954	500	500.00	30 DAYS
NIT 04/ 25-26	Distribution Main pipeline laying and jointing at Gastipura, Dolren pura, Nagden (NAGARPALIKA SARMATHURA) under uwss Sarmathura, Sub Division Baseri	27.66	55328	13832	500	1000.00	30 DAYS
NIB No.:	PHE2526A0391						
UBN:	PHE2526WSOB00984, PHE2526WSOB00985, PHE2526WSOB00986, PHE2526WSOB00987,						

Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled activity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activity will take place on day on which procuriing entity (HOO) is present.

नोटः- निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते, आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

DIPR/C/5278/2025 (Deshraj Sing Gurjar) Executive Engineer, PHED Division Bari

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बारां

क्रमांक :- अअ/वृत/बारां/2024-25/159 दिनांकः 11/04/2025

निविदा सूचना संख्याः 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/कार्य के ठेकेदार तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक, दूरसंचार, रेल्वे, सेना अभियांत्रिकी सेवा, अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/संगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'' श्रेणी के समतुल्य है भी कार्यों के लिये निविदा हेतु नियमानुसार विहित अग्रिम धनराशि देने के पश्चात् निविदा हेतु पात्र होंगे, से निर्धारित प्रपत्रो में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 12.04.2025 प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 12.04.2025 से 24.04.2025 सांय 18:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर दिनांक 25.04.2025 को इस कार्यालय में दोपहर 15:00 बजे निविदा खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्यदिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क / धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ईग्रास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 25.04.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक जमा करवाना होगा। विभाग में पजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी। उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण **1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in, 2. http://sppp.rajasthan.gov.in**

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों मे)	धरोहर राशि		निविदा/प्रक्रिया शुल्क (रूपये मे)		कार्य पूर्ण करने की अवधि
			2%	0.50%	Tender Fees	RISL Fees	
01/ 2025-26	Annual Rate Contract for Providing, Laying, Jointing, testing and commissioning of pipe line & allied works at various schemes under jurisdiction of Division BARAN, DISTT. BARAN **UBN No.: PHE2526WSRC00934**	115.00	230000/-	57500/-	5000/-	2000/-	12 माह

जल ही जीवन है''

DIPR/C/5218/2025 (आलोक कुमार गुप्ता) अधीक्षण अभियंता जनस्वा.अभि. विभाग, वृत्त बारां

'पहलगाम की छाया में प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सभी संभागों व जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिये

- **मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगते जिलों में विशेष सजगता बरतने व सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरन्तर तालमेल रखने के लिये कहा।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने सोशल मीडिया पर गहन निगरानी रखने तथा भ्रामक व आपत्तिजनक टिप्पणियों व अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 23 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर प्रदेश में सभी जगह माकूल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा, जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक विशेष सतर्कता बरतते हुए अपने जिलों में कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखें।

शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगते जिलों में विशेष सजगता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरंतर तालमेल बनाते हुए काम करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि छोटी से छोटी घटना और सूचना को गम्भीरता से लिया जाए तथा तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए।

शर्मा ने सोशल मीडिया पर गहन निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि भ्रामक एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों तथा अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती बरती जाए। साथ ही, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से सही सूचना प्रसारित की जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनज़र, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला निंदनीय एवं कायरतापूर्ण घटना है तथा इससे पूरा देश स्तब्ध है। इस जघन्य हमले को अंजाम देने वाला कोई भी आतंकी सुरक्षा बलों से बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिवारजनों को इस दु:ख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की तथा हादसे में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी स्व. नीरज उदवानी के परिजनों से दूरभाष पर वार्ता कर संवेदनाएं व्यक्त की।

पहलगाम के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी स्थानीय की मदद मिली थी। सूत्रों के मुताबिक, आतंकवादी किश्तवाड़ से कोकरनाग होते हुए बैसारन पहुंचे, जिसमें स्थानीय आतंकवादी या हैंडलर ने मदद की। पुलिस ने कई स्थानीय लोगों से पूछताछ की है, लेकिन अब तक कोई औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम पीड़ितों के लिये दो मिनट मौन रखा

नयी दिल्ली, 23 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले पर बुधवार को दुख व्यक्त किया और इसकी कड़ी निंदा की। शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों, वकीलों और अन्य कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर पीड़ितों को अपनी श्रद्धांजलि दी। पूर्ण न्यायालय की बैठक में सर्वसम्मति से आतंकवादी कृत्य की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। शीर्ष अदालत ने एक बयान जारी कर कहा, सर्वोच्च न्यायालय उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिनकी बेरहमी से और समय से पहले हत्या कर दी गई। साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना भी व्यक्त करता है।

'कश्मीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पहलगाम हमले की बर्बरता की जानकारी देगा। पी 5 देशों में चीन, फ्रांस, रूस, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं।

भारत सरकार अन्य कूटनीतिक उपायों पर भी विचार कर रही है, जिसमें नई दिल्ली और इस्लामाबाद में कूटनीतिक उपस्थिति कम किये जाने का निर्णय भी शामिल है।

पहलगाम हमले से एनडीए सरकार के इस प्रचार-प्रसार को बहुत नुकसान पहुँचा है कि अनुच्छेद 370 समाप्त करने के 2019 के निर्णय के बाद कश्मीर घाटी में शांति पुन: कायम हो गई है।

भारत ने पाकिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बदलने के लिए बांध, नहर और टनल्स बनानी होंगी, जिसमें भारी खर्चा होगा और इनका तुरंत क्रियान्वयन भी संभव नहीं है और इस देरी से पाकिस्तान को समय मिल जाएगा और वह इस मसले को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ले जा सकता है जिससे भारत का कूटनीतिक गणित गड़बड़ा सकता है।

साथ ही यह कदम विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की आलोचना को आमंत्रित कर सकता है और शायद इसका वह प्रभाव ना हो जिसकी उम्मीद है।

पाकिस्तान की कृषि व खाद्य सुरक्षा सिंधु नदी पर निर्भर है और पाकिस्तान सिंधु नदी का जल प्रवाह बदलने को लेकर बेहद संवेदनशील है। यदि इस संधि की शर्तों को बदलने की धमकी का इस्तेमाल अकलमंदी से किया जाए तो इसका दीर्घकालिक दबाव डाला जा सकता है।

लेकिन यह मनोवैज्ञानिक दबाव अनपेक्षित विवाद पैदा कर सकता है। इस्लामाबाद इसे अस्तित्व के लिए खतरा बता सकता है, जिस पर तीखी सैन्य व राजनयिक प्रतिक्रिया संभव है। पहले से ही अस्थिर उपमहाद्वीपीय में इस तरह की नीति को सावधानी से हैंडल करने की जरूरत है।

विशेषज्ञों के अनुसार, तुरंत एक बड़ा निर्णय करने की बजाय आई.डब्ल्यु.टी. को दीर्घकालिक रणनीति के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत के पास ज्यादा प्रभावी तात्कालिक उपाय है।

जैसे कूटनीतिक अभियान चलाकर पाकिस्तान को अलग-थलग करना, टैरर फंडिग को रोकने के लिए फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स को एक्टिव करना और सटीक खुफिया सूचना के आधार पर लक्ष्य साधकर हमले करना।

अगर संधि को रिव्यू भी करना हो तो उसे बदले के तौर पर नहीं बल्कि अप्रत्यक्ष हमलों द्वारा शांति के लगातार उल्लंघन के कारण पुनर्विचार के रूप में पेश करना होगा इसके लिए भारत को ना केवल कानूनी रूप से बल्कि नैतिक रूप से मजबूत केस बनाना होगा कि संधि से वे उद्देश्य प्राप्त क्यों नहीं हो रहे, जिनके लिए यह बनाई गई थी।

आई.डब्ल्यू.टी. को निलम्बित करना शायद जनभावना के अनुरूप कड़ा कदम हो, पर सामरिक दृष्टिकोण से यह सीमित लाभ किन्तु दीर्घकालिक खतरों से भरा है और अगर इसमें सोच समझकर रणनीति नहीं बनाई गई तो यह कदम नुकसान दे हो सकता है। नाटकीय प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि धैर्य, बहुकोणीय प्रतिक्रिया ही भारत के दूरगामी सामरिक हित और अंतर्राष्ट्रीय छवि के अनुरूप होगी।

पहलगाम हमले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के बीच बढ़ता सैन्य सहयोग भी एक और गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था, और सामरिक हितों की समानता, ये सब इस बात की आशंका बढ़ाते हैं कि यह गठबंधन भारत में प्रॉक्सी आतंकवाद को बढ़ावा दे सकता है, जिससे क्षेत्रीय संघर्ष और गहरा हो सकता है।

ऐसे समय में, जब देश मासूम लोगों की मौत का शोक मना रहा है, केन्द्र सरकार पर यह दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह इन अहम सवालों के जवाब दे।पहलगाम हमले के पीछे कौन था? आतंकवादी इतनी भारी मात्रा में हथियारों को चुपचाप क्षेत्र में कैसे ला पाए? हमले से पहले हफ्तों तक खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं?

घटना के बाद, पहलगाम और उसके आस-पास बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी) और सेना की टीमें हमलावरों की तलाश कर रही हैं।

भारत को पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर से...

'आतंकवाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो ही रही है। यही वह समय है, जब पर्यटक इस क्षेत्र में घूमने जाते हैं। पर्यटन जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तथा वहाँ की जनता की आमदनी का सबसे बड़ा स्रोत है। इस घटना से, इस साल की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। इस समय भारत सरकार को उनकी मदद करनी चाहिये। इस घड़ी में, हम सब एक हैं। हम आतंकियों के खिलाफ एक रहेंगे।" इसके साथ ही, कांग्रेस अध्यक्ष ने आगामी सप्ताहो में शुरु होने जा रही अमरनाथ यात्रा के लिये कड़ी सुरक्षा व्यवस्था किये जाने पर भी जोर दिया। सरकारी सूत्रों के हवाले से पता चला है कि केन्द्र सरकार गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुला सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति, बढ़ती आय, जनकल्याण और आर्थिक विकास के पूरे दौर को एक झटके में तोड़ दिया है। पूरी प्रक्रिया एक ही प्रहार में रोक दी गई है।

अब बड़ा सवाल यह है कि यह हमला किस हद तक "नॉन स्टेट एजेन्ट्स" द्वारा किया गया है या इसके पीछे राज्य का समर्थन है। पहलगाम हमले में, कई मामलों में गाज़ा में इज़रायली नागरिकों पर हमास के हमले जैसी समानताएं हैं। अगर ऐसा है, तो क्या इसके परिणाम भी गाज़ा जैसे हो सकते हैं?

जो सामने आया है, वह यह है कि आतंकवादियों ने हिंदुओं को निशाना बनाकर मारा। उन्होंने सुनियोजित तरीके से निर्दोष पर्यटकों को कश्मीर घाटी में मार डाला। जैसे ही यह खबर फैली, पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी हो गई।

जिस तरह से आतंकवादियों ने घाटी में इतनी गहराई तक घुसपैठ करके पर्यटकों की खुलेआम हत्या की है, उससे हमारी खुफिया और सुरक्षा व्यवस्था की खामियाँ उजागर होती हैं। इतना सटीक और सफल हमला, पाकिस्तान सेना के आईएसआई नेटवर्क की विस्तृत मदद के बिना संभव नहीं लगता।

पाकिस्तान को भी इसके नतीजों की चिंता है। उसने कथित रुप से स्वयं को निर्दोष बताते हुए इसे पाकिस्तानी राज्य से असंबंधित घटना बताया है।

पिछली घुसपैठों की तरह, इस बार भी मामले को गंभीरता से लिया गया है। कैबिनेट सुरक्षा समिति की बैठक हुई। समिति को घटना की विस्तार से जानकारी दी गई। पच्चीस भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए। आधिकारिक प्रतिक्रिया बेहद संयमित रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्युरिटी (सीसीएस) की बैठक हुई। बैठक ढाई घंटे तक चली, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल व कई प्रमुख अफसरों ने शिरकत की।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सीसीएस की मीटिंग के फैसलों के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

कूटनीतिक कार्रवाइयों के बावजूद, भारत ने सैन्य विकल्प को खुला रखा है। ब्रीफिंग में हमले को स्पष्ट रुप से पड़ोसी देश से जोड़कर देखा गया, जिसके बारे में माना जा रहा है कि, पाकिस्तान के संगठित मंचों द्वारा यह संचालित हुआ है। कई कदमों की घोषणा की गई है। सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पाकिस्तान के दूतावास में अब केवल 30 लोग रहेंगे।

यह एक रणनीतिक कदम है। इससे पाकिस्तान को गहरे संकट का सामना करना पड़ेगा। सिंधु नदी जल संधि रद्द होने के साथ ही, 'रन ऑफ द रिवर्स' परियोजनाओं की बैठकें रद्द कर दी गई हैं। अब भारत इन नदियों के जल का प्रबंधन अपने अनुसार करेगा।

पाकिस्तानी रक्षा, नौसेना और वायुसेना के अटैचियों को रद्द कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच सभी प्रकार की आवाजाही बंद कर दी गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दे दिया गया है।

भारत ने यह ठान लिया है कि हमलावरों को सजा दी जाएगी और आगे की कार्यवाही के संकेत नहीं दिए गए हैं।

भारत निश्चित रुप से प्रतिक्रिया देगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या दुनिया उस समय भारत के साथ खड़ी होगी, जब वह पाकिस्तान के खिलाफ कोई कदम उठाएगा?

एकमात्र जटिलता यह है कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और दुनिया एक परमाणु टकराव की साक्षी नहीं बनना चाहती।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600